MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-36 ❖ मुंबई ❖ रविवार 28 अगस्त से 03 सितंबर 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

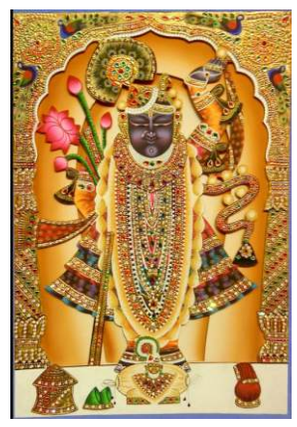

पेज 3
सिर्फ 40 विधायकों से लाड़-प्यारः अजित पवार

पेज 5
बीपी मंडल की जयंती हर्सोल्लास के साथ मनाई गई

पेज 7
'धड़क' की रिलीज के दौरान ओवर कॉन्फिडेंट थीं जान्हवी कपूर

पेज 8
मुख्यमंत्री ने आनंद दिघे को दी श्रद्धांजलि

एक नजर

केरल के कान्वेंट में नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण

तिरुवनंतपुरम। दक्षिण केरल में एक कान्वेंट में घुसकर चार नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ग्रामीण इलाके में स्थित 'ननरी' (ननों के रहने की जगह) के पास पुलिस के रात्रि गश्ती दल ने एक दिन पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों के धार्मिक संस्थान में घुसने के मकसद का खुलासा हुआ। आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक महिला पुलिस अधिकारी ने कान्वेंट में जाकर नाबालिग लड़कियों का बयान दर्ज किया जिसमें पता चला कि उनका पिछले कुछ दिनों से यौन शोषण किया जा रहा था। पीड़िताओं के बयान के आधार पर दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

जम्मू कश्मीर में 40 मिनट में दो बार भूकंप के झटके

जम्मू। जम्मू कश्मीर में शुक्रवार को 3.4 और 2.8 तीव्रता के दो भूकंप आए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 3.4 तीव्रता का भूकंप रियासी जिले के कटरा इलाके में आया जबकि दूसरा डोडा जिले में महसूस किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जानमाल के किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि पहला भूकंप तड़के तीन बजकर 28 मिनट पर आया जिसका केंद्र जम्मू क्षेत्र के कटरा से 62 किलोमीटर उत्तर पूर्व में जमीन के नीचे पांच किलोमीटर की गहराई में था। डोडा जिले में तड़के चार बजकर सात मिनट पर आए भूकंप का केंद्र जम्मू क्षेत्र में डोडा से 10 किलोमीटर उत्तर में जमीन के नीचे दस किलोमीटर की गहराई में था।

एक्टिव केस घटकर 90,707 हुए

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 10,256 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,43,89,176 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 90,707 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 68 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,27,556 हो गई। इन 68 मामलों में वे 29 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनः मिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से जान गंवाने वालों की सूची में डाले हैं।

गद्दारों को माफी नहीं!

उद्धव ठाकरे का झंझावात; शिवसेना और संभाजी ब्रिगेड की युति!

मुंबई, महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश में क्षेत्रीय अस्मिता को कुचलने, क्षेत्रीय एवं अन्य दलों को खत्म करने को ही लोकतंत्र कहनेवाले कुछ लोग अब बेतुकी बातें और हरकत करने लगे हैं। ऐसे में कई लोग खुद मेरे पास आ रहे हैं और कह रहे हैं कि अब हमें संविधान को बचाने के लिए व क्षेत्रीय अस्मिता को बनाए रखने के लिए एकजुट होना होगा। इसके तहत शिवसेना और संभाजी ब्रिगेड का गठबंधन किया गया है। हम इतिहास बनाएंगे और भूमिपुत्रों के प्रति द्वेष रखने वाले दोमुंहे सापों को दफन कर देंगे। ऐसा आह्वान कल शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने किया।

संभाजी ब्रिगेड के अध्यक्ष मनोज साखरे, मुख्य प्रवक्ता गंगाधर बनबरे ने 'मातोश्री' आवास पर कल शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। इस मौके पर शिवसेना

नेता सुभाष देसाई भी मौजूद थे। संभाजी ब्रिगेड के नेताओं ने इच्छा व्यक्त की कि शिवसेना और संभाजी ब्रिगेड को मिलकर आगे बढ़ना चाहिए। महाराष्ट्र में संयुक्त सभाएं ली जाएं। उन्होंने किसानों, आदिवासियों, महिलाओं और छात्रों के लिए मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की। शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम संभाजी ब्रिगेड के लड़ाके साथियों का स्वागत और अभिनंदन करते हैं। हम सब शिवप्रेमी हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज, छत्रपति संभाजी महाराज हमारे देवता हैं। हिंदुत्व और महाराष्ट्र को लेकर हमारी भूमिका रोखठोक है। उससे आप सहमत हैं, इसलिए साथ आए हैं। मुझे यकीन है कि यह गठबंधन सिर्फ चुनावों को ध्यान में रखकर नहीं किया गया है। अगर चुनाव को ध्यान में रखकर युति की गई होती तो आप इस समय नहीं आते। हम सत्ता में थे और आगे सत्ता आनी तय है। लेकिन जब कुछ नहीं है तो आप शिवसेना के साथ आए हैं। लड़ते समय जो साथ आते हैं, उनका साथ महत्वपूर्ण होता है।

चुनाव में भी कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे

उद्धव ठाकरे ने कहा कि विचारों को मजबूत करना है तो वैचारिक गठबंधन सिर्फ सड़कों पर उतरना और नारे लगाना नहीं है। जिन विचारों को लेकर हमने भाजपा के साथ युति की थी, वह किस तरह बहती गई, वह आप जानते हैं। मुझे दमदार सहयोगी मिला है और वह चुनाव में भी कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहता है, तो क्यों नहीं?

क्या संघ की विचारधारा पर चल रही है भाजपा?

संघ और भाजपा की विचारधारा के बारे में पूछे जाने पर शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, 'हमने हिंदुत्व की विचारधारा को लेकर २५ से ३० साल तक भाजपा के साथ गठबंधन किया। जहां तक संघ का सवाल है, क्या आपको लगता है कि भाजपा उनकी विचारधारा को लेकर आगे बढ़ रही है? संघ उनकी मातृ संस्था है और यदि वे उनकी विचारधारा को स्वीकार नहीं करते तो यह सवाल मुझसे नहीं उनसे पूछा जाना चाहिए कि क्या संघ की विचारधारा भाजपा को स्वीकार्य है? यदि हां, तो क्या वे वैसा व्यवहार करते हैं? भागवत ने पिछले दो-चार वर्षों में विचार व्यक्त किए उसके अनुसार भाजपा काम कर रही है।

देश को दिशा देनेवाले महाराष्ट्र का निर्माण करें

महाराष्ट्र में जो कुछ किया जा रहा है या बिगाड़ा जा रहा है, वह महाराष्ट्र की पहचान नहीं है। यह शिवराय और संभाजी महाराज के महाराष्ट्र की पहचान नहीं है। यह शिवराय का महाराष्ट्र है इसलिए यहां वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए।

लेकिन वैसा नहीं करना और उदाहरण देते समय छत्रपति शिवाजी महाराज, संभाजी महाराज का नाम लेना उचित नहीं है। पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने विश्वास जताया कि हम महाराष्ट्र को देश को राह दिखानेवाला राज्य बनाएंगे।

उद्धव ठाकरे को चुनाव आयोग की बड़ी राहत, मिली चार हफ्ते मोहलत

मुंबई, उद्धव ठाकरे को चुनाव आयोग की तरफ से बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को अपने पक्ष में साक्ष्य पेश करने के लिए 4 हफ्तों का और समय दे दिया है। ठाकरे गुट की शिवसेना ने केंद्रीय चुनाव आयोग से चार हफ्तों का समय और दिए जाने की अपील की थी। चुनाव आयोग ने उनकी मांग मान ली है।

शिवसेना पर हक किसका? शिंदे गुट का या ठाकरे गुट का? यह विवाद सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) के साथ ही चुनाव आयोग के पास भी सुनवाई के लिए आया हुआ है। अपने दावे के पक्ष में साक्ष्य पेश करने के लिए चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को 23 अगस्त तक का समय दिया था। लेकिन अब ठाकरे गुट की शिवसेना 25 सितंबर तक कागजात जमा करा सकेगी।

शिवसेना और शिंदे गुट के बीच की लड़ाई पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। यह मामला तीन सदस्यों की खंडपीठ ने अब पांच जजों की संविधान पीठ को सौंप दिया है। इस बीच कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी यह निर्देश दिया है कि जब तक सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक वह कोई कार्रवाई नहीं करे। इस सुनवाई के बाद उद्धव ठाकरे ने साक्ष्य पेश करने के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग से चार हफ्तों की मोहलत की मांग की थी। चुनाव आयोग ने उदधव ठाकरे की मांग मानते हुए चार हफ्तों की मोहलत बढ़ा दी है।

शिवसेना के विद्रोही गुट का आदित्य ठाकरे पर पहला हमला

शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने बागी धड़े पर अपना हमला तेज करते हुए उन्हें 'गद्दार' बताया, जबकि असंतुष्ट धड़े ने ठाकरे परिवार के किसी सदस्य को निशाना नहीं बनाने का संकल्प तोड़ते हुए पूर्व मंत्री को 'युवराज' करार दिया. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े के विधायकों को लगता है कि आदित्य ठाकरे ने 'सीमा पार की है' और वह उनके खिलाफ झूठ फैला रहे हैं, जिसस उन पर पलटवार करने का समय आ गया है. असंतुष्ट विधायकों ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य पर निशाना साधते हुए विधानसभा सत्र के आखिरी दिन विधान भवन की सीढ़ियों पर बैठकर उनके खिलाफ बैनर दिखाए, जिन पर लिखा था, 'युवराजांची दिशा चुकली (युवराज रास्ता भटक गया है) आदित्य ने पलटवार करते हुए बागी विधायकों पर पैसे के लिए पार्टी से बगावत करने का आरोप लगाते हुए '50 खोखे, एकदम ओके' के नारे लगाए. इन विधायकों की बगावत के कारण उद्धव नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार जून में गिर गई थी और एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की थी.

असंवैधानिक ईडी सरकार को मिली मान्यता तो लोकतंत्र को खतरा! : अजीत पवार

मुंबई, राज्य की असंवैधानिक शिंदे-फडणवीस यानी 'ईडी' सरकार का भविष्य तय करने का मामला संवैधानिक खंडपीठ के पास चला गया है, वहां क्या होगा, यह आने वाले दिनों में दिखेगा, लेकिन असंवैधानिक तरीके से सत्ता पर आई 'ईडी' सरकार को मान्यता मिलती है तो देश में लोकतंत्र बचेगा ही नहीं, ऐसा डर प्रतिपक्ष के नेता अजीत पवार ने व्यक्त किया है। इसके साथ ही १४५ विधायकों का समर्थन है तब तक सरकार रहेगी वर्ना गिर जाएगी, ऐसी भावना भी उन्होंने व्यक्त की। बहुमत वाली विरोधी दल की सरकार गिराने का जो सिलसिला चल रहा है, यह लोकतंत्र के लिए घातक है, ऐसा भी उन्होंने कहा। पश्चिम बंगाल व

राजस्थान में भी प्रयत्न किए गए, परंतु वहां सफलता नहीं मिली। बिहार में नीतीश कुमार ने जोरदार झटका दिया। उन्होंने कहा कि 'ईडी' सरकार को किसानों की समस्या से कोई लेना देना नहीं है। राज्य में 'ईडी' सरकार के शपथ लेने के बाद से अब तक तकरीबन १३७ किसानों ने आत्महत्या की है। इन किसानों की विधवा पत्नियों का क्या करना है? किसानों को यह अपनी सरकार है, ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि तत्कालीन नगर विकास मंत्री और वर्तमान में मुख्यमंत्री शिंदे ने जिन विकास कार्यों के संदर्भ में निर्णय लिया था, उसी काम को स्थगन दे रहे हैं, इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है?

गुजरात के युवान निलेश मकवाणा की प्रेरक आत्मकथा का ऑस्ट्रेलिया की संसद में विमोचन

जीतु सोमपुरा मुंबई :

गुजरात के गौरव, राष्ट्र के गौरव की विशेष घटना हाल ही में विदेश की धरती पर हुई। गुजरात की नई पीढ़ी , भारत की नई पीढ़ी विदेश में अपने व्यवसाय, व्यव्हार , समाज सेवा द्वारा भारत का नाम रोशन कर रही है उसमें एक ओर नाम निलेश मकवाणा जी का जुड गया। ऑस्ट्रेलिया की माइक्रोसॉफ्ट गोल्ड पार्टनर टेक्निकल फर्म के युवान सीईओ निलेश मकवाणा की प्रेरक आत्मकथा के पुस्तक का पश्चिम ऑस्ट्रेलिया की संसद में विमोचन हुआ। निलेश राजकोट की शाला में पढ़ाई पूरी करके मुंबई की कॉलेज में पढा। मुंबई से विदेश पढ़ने गया। वहीं पे उन्हों ने नौकरी से अपनी कर्म यात्रा शुरु की और कुछ ही वर्षों में बेरोजगार भारतीय युवकों सहित २३ देशों के कुल पांचसो से ज्यादा युवाओं को रोजगार दिया। अपनी कंपनी की शुरुआत के साथ साथ कुछ ही वर्षों में युवा अवस्था में ही अपनी मेहनत, व्यवहार, शक्ती द्वारा ऑस्ट्रेलिया में गुजरातीओ को संगठित करने की दिशा में आगे बढ़ना तथा ऑस्ट्रेलिया के स्थानिक समाज को अपने नेतृत्व में साथ लेकर समाज सेवा द्वारा विशेष योगदान देते हुए आज ऑस्ट्रेलिया के उच्च वर्ग में एक बड़ा मुकाम निलेश मकवाणा ने हासिल किया है।

अपनी अनोखी संघर्ष यात्रा द्वारा अन्यो को भी जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले इस उद्देश्य से टर्मिनल -4 नामक ये पुस्तक में शाला की पढ़ाई के दौरान खुद का व्यवसाय और जीवन में आगे बढ़ने के संकल्प के मुताबिक अपने पिताजी की जानकारी और मार्गदर्शन के बगैर बायसिकल के द्वारा शाला के विद्यार्थियों में बिस्कुट बेचने का व्यवसाय शुरु किया और आज विदेश

में बड़ी कंपनी का निर्माण करते हुए उच्च वर्ग में अपना महत्वपूर्ण स्थान कैसे बनाया इसकी रोचक और प्रेरक बातें हैं जिनमें निराशा, अकेलापन, भय को कैसे आत्मविश्वास, महेनत और प्रेम द्वारा दूर करे तथा अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए कैसे आगे बढ़े ? जैसी अनेक जानकारी प्राप्त होती हैं। नीलेश भाई और भारतीय संस्कारों में रंगी उनकी विदेशी पत्नी श्रीमति लेने साथ मिलकर महात्मा गांधीजी के संदेश को ऑस्ट्रेलिया सहित विभिन्न देशों में पहुंचाने के लिए अनेक बार प्रदर्शनों का भी आयोजन किया हैं। भूतकाल में नीलेश मकवाणा जी को ऑस्ट्रेलिया के कुछ सर्वोच्च सम्मानों से पुरस्कृत किया गया है। उनके लंदन सहित कुछ देशो में विद्यार्थियों तथा व्यवसायिको के समक्ष प्रेरक प्रवचनों की श्रेणी भी आयोजित हुई है।भारतीय सनातन संत परंपरा के सम्मान की एक ओर घटना भी पश्चिम ऑस्ट्रेलिया की संसद में इस अवसर पर घटी जिसमे भारत से पधारे राजकोट के संत पूज्य यति श्री ब्रह्मदेव जी महाराज का तथा पूज्या बालम्बा देवी जी का ऑस्ट्रेलिया के संसदीय स्पीकर ने शाल और पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया।

इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के मंत्रालय के कई मंत्री तथा ऑस्ट्रेलिया के समाज की अग्रणी हस्तियां भी शामिल थी। ऑस्ट्रेलिया में उनके पुस्तक के विमोचन पूर्व दिल्ली के होटल ताज में उनकी किताब के भारतीय संस्करण का भी विमोचन ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी प्रधान के हाथो हुआ था। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया दुतालय के उच्च पदाधिकारी भी शामिल थे।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर भारत से पधारे राजकोट के संत पूज्य यति श्री ब्रह्मदेव जी महाराज जी का तथा पुज्या बालम्बा देवी जी का ऑस्ट्रेलिया के संसद में स्पीकर ने शाल और गुच्छ द्वारा सम्मान किया। इस अवसर पर मंत्रालय के कई मंत्री तथा ऑस्ट्रेलियन समाज की अग्रणी हस्तियां भी हाजिर थी ।

नवनीत राणा और उनके पति को अदालत से मिली राहत

निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को दी गई जमानत रद्द करने की मांग वाली मुंबई पुलिस की याचिका को एक विशेष अदालत ने खारिज कर दिया है. विस्तृत आदेश में विशेष अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई बात नहीं रखी गई जिससे यह संकेत मिले कि जमानत की शर्त का उल्लंघन करने पर मामले की मेरिट या सुनवाई प्रभावित होगी. बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास पर हनुमान चालीसा का जाप करने की घोषणा करके कथित रूप से सार्वजनिक अव्यवस्था पैदा करने का प्रयास करने के लिए राणा दंपति पर देशद्रोह सहित कई आरोप लगाए गए थे. दंपति को 23 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और 4 मई को जमानत दे दी गई थी. अदालत ने उन्हें जमानत देते समय मामले से संबंधित विषयों पर प्रेस को संबोधित नहीं करने का निर्देश दिया था. मुंबई पुलिस ने दिया ये हवाला अदालत के आदेश में कहा गया था कि शर्तों के किसी भी उल्लंघन पर उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी. मुंबई पुलिस ने उनके द्वारा मीडिया को दिए गए बयानों का हवाला दिया, जिन पर पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने शर्तों का उल्लंघन किया और गवाहों को धमकाया. अदालत ने अपने आदेश में कहा कि "यह अभियोजन पक्ष का मामला नहीं है कि उपरोक्त बयानों के कारण, जांच में बाधा आ रही है. यह बताने के लिए कोई सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं रखी गई है कि मामले या मुकदमे का कोई बाधा आएगी.

सोरेन पर संकट

विपक्षी गठबंधन शासित एक और राज्य राजनीतिक अनिश्चितता की चपेट में आ गया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कुर्सी खतरे में पड़ गई है। हालांकि इस बार उनकी सरकार के बहुमत पर कोई सवाल नहीं है, न ही विधायकों की खरीदफरोख्त का कोई आरोप है। इस बार एक पुराना मामला उनके रास्ते का कांटा बन गया है जिसमें उनके विधायकी गंवाने और मुख्यमंत्री पद से हटने की नौबत आन पड़ी है। उन पर आरोप यह है कि राज्य का खनन मंत्री रहते हुए उन्होंने खुद अपने और अपने कुछ करीबियों के नाम पर खान आवंटित करा लिया। बीजेपी ने इस मामले में उनके खिलाफ शिकायत की थी। यह पहली नजर में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 9ए के उल्लंघन का मामला था। इसके मुताबिक अगर किसी व्यक्ति को सरकार की ओर से किसी तरह का ठेका दिया जाता है तो वह सदस्य चुने जाने के योग्य नहीं रह जाता। इसी तरह अगर किसी निर्वाचित सदस्य को सरकार की ओर से किसी वस्तु की आपूर्ति का या

सरकार द्वारा करवाए जा रहे किसी भी कार्य का ठेका मिलता है तो वह सदस्य होने की पात्रता खो देता है। हालांकि मुख्यमंत्री सोरेन का कहना था कि उनका मामला तकनीकी तौर पर इस नियम के दायरे में नहीं आता। लेकिन दोनों पक्षों की पूरी बात सुन लेने के बाद चुनाव आयोग ने अपनी रिपोर्ट राज्यपाल को सौंप दी है। चूंकि आयोग की सलाह इस मामले में बाध्यकारी होती है इसलिए अब मामला जब-तब का ही माना जा रहा है। हालांकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास अभी भी पूर्ण बहुमत है इसलिए तत्काल सरकार गिरने का खतरा नहीं है। लेकिन मुख्यमंत्री बदलने की सूरत तो आ ही सकती है। यह देखना होगा कि हेमंत सोरेन का अगला कदम उस सूरत में क्या होता है। लेकिन इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ने का विकल्प अपनाने पर भी थोड़े समय के लिए ही सही, अपनी जगह किसी न किसी को मुख्यमंत्री पद उन्हें सौंपना होगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा और सत्तारूढ़ गठबंधन के अंदर उसके साइडइफेक्ट किस हद तक जाते हैं इस पर सबकी नजरें टिकी होंगी। लेकिन सोरेन परिवार, झारखंड मुक्ति मोर्चा या सत्तारूढ़ गठबंधन अपनी सत्ता भले बचा ले, उसकी साख पर ऐसा सवाल खड़ा हुआ है जिसका जवाब केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के रटे-रटाए फॉर्म्युले पर देना काफी नहीं होगा। इसे भारतीय राजनीति के मौजूदा दौर की विडंबना ही कहेंगे कि प्रायः सभी पक्ष अपने ऊपर लगे किसी भी बड़े आरोप का जवाब विरोधियों के दोष गिनाकर देने की कोशिश करते हैं। मानो विरोधियों का ज्यादा बुरा होना उनके बुरा होने का औचित्य साबित कर देता हो। बहरहाल, सोरेन ने विरोधियों को चुनौती देने की मुद्रा में अपने जनसमर्थन का हवाला दिया है। मगर लोकतंत्र में जनसमर्थन कानून के शासन का विकल्प नहीं होता। उम्मीद की जाए कि कानून के शासन की मजबूरियों से निकला नया नेतृत्व राज्य को बेहतर माहौल देगा।

फिर अशांति की ओर पाक

किरीट ए. चावड़ा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ रविवार को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज होने के बाद जहां उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है, वहीं देश में सत्ता का

संघर्ष और तीखा रूप ले चुका है। इसी साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से हटाए जाने के बाद से इमरान फिर से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। देश भर में रैलियां करते हुए वह न केवल मौजूदा सरकार पर हमले कर रहे हैं बल्कि सेना को भी निशाना बना रहे हैं। इसी क्रम में उनके एक करीबी सहयोगी शहनाज गिल को पिछले दिनों तब गिरफ्तार किया गया जब उन्होंने एक टीवी टॉक शो के दौरान कथित तौर पर सेना के अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों का आदेश न मानें।

इमरान और उनकी पार्टी का आरोप है कि जेल में शहनाज गिल को बुरी तरह टॉर्चर किया गया। हालांकि सरकार इस आरोप को गलत बताती है, लेकिन इमरान ने यही आरोप दोहराते हुए एक सार्वजनिक सभा में दो पुलिस अफसरों और एक जज के नाम लेकर उनके खिलाफ एक्शन लेने की धमकी दी। इमरान ने वैसे तो कानूनी कार्रवाई की बात कही, लेकिन सरकार ने इसे न्यायपालिका और पुलिस प्रशासन को आतंकित कर उन्हें अपने कर्तव्य पालन से रोकने की कोशिश करार दिया। स्वतंत्र प्रक्षकों ने भी इमरान के इस बयान को गंभीर बताया है। उनके मुताबिक अगर किसी खास ऑफिसर की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण लगती है तो इमरान की पार्टी या उससे जुड़े लोगों के पास उन अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का विकल्प हमेशा खुला है, लेकिन एक पूर्व प्रधानमंत्री जब सार्वजनिक सभा में ऐसी धमकी दे, तो उसके निहितार्थ बहुत दूर तक जाते हैं। बहरहाल, सरकार के पास इमरान खान को गिरफ्तार करने का ठोस आधार भले आ गया हो, उनकी गिरफ्तारी पर पूरे पाकिस्तान में व्यापक प्रतिक्रिया होने के आसार काफी मजबूत बताए जा रहे हैं। सत्ता से बाहर होने के बाद से इमरान की लोकप्रियता बढ़ी है। देश के अलग-अलग हिस्सों में उनकी रैलियों में भीड़ उमड़ रही है। चुनावी कामयाबी भी उनकी इस बढ़ी हुई लोकप्रियता की पुष्टि करती है।

जुलाई में पंजाब प्रांत के स्थानीय चुनावों में उनकी पार्टी पीटीआई ने शानदार कामयाबी हासिल की तो इस महीने देश के व्यावसायिक केंद्र कराची में भी अच्छा प्रदर्शन किया। जाहिर है, पाकिस्तान में चल रहे इस सत्ता संघर्ष में कोई भी पक्ष पीछे हटने की स्थिति में नहीं है। और कदम आगे बढ़ाने का परिणाम देश भर में अशांति और सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन के रूप में सामने आ सकता है। पाकिस्तान जिन कठिन आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा है, उनके मद्देनजर इस समय किसी भी तरह की राजनीतिक अस्थिरता और अशांति विशेष रूप से नुकसानदेह होगी।

फिर से क्यों नाराज हो रहे हैं देश के किसान

गणेश पाण्डेय

केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों को तो वापस ले लिया, लेकिन पेच फिर फंस गया है। किसानों का आशा थी कि सरकार एमएसपी की गारंटी देगी, आंदोलन में शहीद किसानों के परिजनों को मुआवजा देगी और आंदोलन के दौरान कायम मुकदमों को वापस लेगी। लेकिन अभी तक किसानों की आशा पूरी नहीं हुई है। लखीमपुर कांड में भी त्वरित न्याय होता नहीं दिख रहा है।

एमएसपी समिति का हाल

बहुत समय बाद सोमवार को एमएसपी पर बनी सरकारी समिति की पहली बैठक हुई। मगर यह समिति एमएसपी को प्रभावशाली बनाने, जैविक कृषि को बढ़ावा देने, फसलों के विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की बात कह रही है। जबकि, किसानों की मूल मांग एमएसपी की वैधानिक गारंटी है। समिति के अध्यक्ष एक पूर्व कृषि सचिव बनाए गए हैं जो आंदोलन में सरकारी वार्ताकार थे। इनके अलावा जो खास किसान नेता, कृषि विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री इसमें नामित किए हैं, वे निरस्त कृषि कानूनों के समर्थक और किसान आंदोलन के विरोधी थे। ये लोग एमएसपी की वैधानिक गारंटी के पक्ष में नहीं रहे हैं।

बहिष्कार और पंचायत

29 सदस्यीय इस समिति में किसान आंदोलन के संचालक संयुक्त किसान मोर्चे से केवल तीन सदस्य नामित करने को कहा गया। इस समिति का कोई कार्यकाल भी निश्चित नहीं किया गया है। किसान मोर्चे का मानना है कि सरकार एमएसपी की वैधानिक गारंटी की मूल मांग को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। इसलिए किसान मोर्चे ने इस एकतरफा समिति का बहिष्कार कर दिया और अब जगह-जगह किसान पंचायत शुरू कर दी है। इसी कड़ी में सोमवार को एक दिन का धरना प्रदर्शन दिल्ली में जंतर मंतर पर किया गया।

किसान चाहते हैं कि घोषित एमएसपी से नीचे फसलों की खरीद कानूनी रूप से वर्जित हो। एमएसपी का निर्धारण भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के हिसाब से हो और बीजेपी का यह वादा भी था। इस मांग का गणित समझना जरूरी है।

अभी देश में 23 फसलों की एमएसपी घोषित होती है। इसमें मुख्य रूप से गेहूं, धान, मोटे अनाज, दलहन, तिलहन, गन्ना और कपास जैसी कुछ नकदी फसलें हैं।

2020-21 में एमएसपी वाली फसलों का एमएसपी पर कुल मूल्य लगभग 12 लाख करोड़ रुपये था।

कुल फसल में से लगभग 4 लाख करोड़ की फसलें किसान खुद के लिए (पशुओं और बीज) के लिए रख लेता है।

इस हिसाब से बाकी लगभग आठ लाख करोड़ रुपये की फसलें ही बाजार में आईं। इसमें आधी सरकार ने एमएसपी पर खरीदी, बाकी निजी क्षेत्र ने खरीदी।

निजी व्यापारी आमतौर पर एमएसपी से औसतन 20 प्रतिशत कम मूल्य पर फसलें खरीदते हैं। अगर एमएसपी पर कानूनी बाध्यता होगी तो यह लूट बंद हो जाएगी।

कुछ अर्थशास्त्रियों का कहना है कि एमएसपी पर निजी क्षेत्र को बाध्य नहीं कर सकते। मगर ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जिनमें सबने सरकार को मूल्य निर्धारित या नियंत्रित करते देखा है। हर साल निजी चीनी मिलें सरकारी रेट पर ही किसानों से गन्ना खरीदती हैं। चीनी मिलों को भी सरकार ने चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य की सुरक्षा दी हुई है। फिर किसान यह तो नहीं कह रहे कि सरकार उनकी सारी फसल खरीद ही ले। वह तो बस इतना कर दे कि कोई भी खरीदे तो सरकारी दर पर ही खरीदे। इससे सरकार पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने वाला, क्योंकि उसे तो सिर्फ अपनी खरीद करनी है। किसान के पास अतिरिक्त धनराशि आएगी तो उससे यहीं की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। सवाल है कि जब सरकार का इस पर एक पैसा नहीं खर्च होना, तो फिर वह क्यों इस मांग से पीछे हट रही है?

एमएसपी कानून से सरकार की खरीद भी कम हो जाएगी क्योंकि तब किसान के पास सिर्फ सरकार को ही बेचने का कोई अन्य आर्थिक कारण नहीं होगा। इससे फसलों के विविधीकरण का उद्देश्य भी पूरा होगा क्योंकि जब सभी फसलें एमएसपी पर बिकेंगी तो किसान गेहूं-धान के फसल चक्र से भी निकलकर अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा देगा। सरकार एमएसपी की वैधानिक गारंटी समेत किसानों से किए सभी वादे पूरे करे, अन्यथा किसान फिर एक बार आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

चीन के सामने श्रीलंका ने डाले हथियार

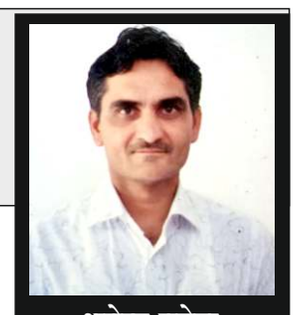

भूपेन्द्र पटेल

श्रीलंका ने युआन वांग 5 को हंबनटोटा पोर्ट पर लंगर डालने की इजाजत देने के मामले में जिस तरह से चीन के सामने समर्पण कर दिया, वह भारत के लिए खतरे की घंटी है। अभी तक यह बात सिर्फ मानी जा रही थी, अब प्रत्यक्ष दिख गई है कि चीन अपने सामरिक हितों को बढ़ावा देने के लिए भारत के उन पड़ोसी देशों का इस्तेमाल करने में नहीं हिचकेगा, जो उसके कर्ज के जाल में फंस चुके हैं। इस मामले ने बता दिया है कि चीन वित्तीय कर्ज को भारत के खिलाफ हथियार का रूप देते हुए इस क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी जोखिम और आपसी अविश्वास दोनों बढ़ा सकता है।

वादे से मुकरा

श्रीलंका जब आर्थिक संकट में फंसा तो सबसे पहले मदद का हाथ भारत ने ही बढ़ाया। पिछले आठ महीनों में भारत ने श्रीलंका को करीब 4 अरब डॉलर की मदद दी है। ऐसे में युआन वांग 5 मामले से भारत का परेशान होना स्वाभाविक हैः श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कूटनीतिक चैनलों के जरिए अगस्त की शुरुआत में भारत को आश्वस्त किया था कि युआन वांग 5 को हंबनटोटा बंदरगाह पर आने की इजाजत नहीं दी जाएगी। लेकिन जब श्रीलंका में चीनी राजदूत को यह पता चला तो वह बिफर पड़े। उन्होंने नई सरकार को याद दिलाया कि कैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का लोन रीस्ट्रक्चर करवाने में उसे चीनी मदद की जरूरत पड़ने वाली है। इस आक्रामकता से श्रीलंका में थोड़ी घबराहट थी, फिर भी साबरी 4-5 अगस्त को नोम पेन्ह में आसियान प्लस विदेश मंत्रियों की बैठक के दरम्यान चीनी विदेश मंत्री वांग यी से हुई मुलाकात में अपनी बात पर कायम रहे।

इसके बाद चीन ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे पर दबाव बनाया जो संयोगवश 2017 में हंबनटोटा कंसेशन अग्रीमेंट पर दस्तखत होते समय प्रधानमंत्री थे। तब भारत और अमेरिका दोनों ने समझौते को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन विक्रमसिंघे समझौते पर आगे बढ़ गए।

युआन वांग 5 प्रकरण में भी ऐसा ही हुआ। विक्रमसिंघे चीनी दबाव के सामने झुक गए। शुरू में उन्होंने दलील दी कि इजाजत उनके राष्ट्रपति बनने से पहले दी गई थी, वह भी जूनियर ऑफिसरों द्वारा क्योंकि उन अराजकतापूर्ण दिनों में श्रीलंका में कोई सरकार ही नहीं थी। लेकिन जब चीन ने श्रीलंका सरकार का यह अनुरोध अस्वीकार कर दिया कि जहाज का आना आगे खिसका दिया जाए तो विक्रमसिंघे ढीले पड़ गए और साबरी से कहा कि भारत को इस नई स्थिति के बारे में सूचित कर दिया जाए। इस पूरे मामले से तीन प्रमख सवाल उभरते हैं: पहला, हंबनटोटा बंदरगाह का भविष्य में कैसे इस्तेमाल होगा? दोनों देशों के बीच समझौते के मुताबिक बंदरगाह का इस्तेमाल सिर्फ व्यावसायिक उद्देश्यों से हो सकता है। लेकिन युआन वांग 5 जैसे मामलों में क्या होता है? यह ऐसा स्ट्रैटेजिक सपोर्ट वेसल है, जो भारतीय सशस्त्र सेनाओं के फ्रीक्वेंसी बैंड पर भेजे जाने वाले इंटेलिजेंस सिगनल्स को पकड़ने की क्षमता से लैस है। अमेरिकी अधिकारियों ने अलग से भी कोलंबो में राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व को इस वेसल के सैनिक और तकनीकी पहलुओं से वाकिफ कराया था। लेकिन श्रीलंका ने उन्हें भी नजरअंदाज कर दिया। दूसरा, इससे श्रीलंका के साथ विश्वास का मसला खड़ा हो गया है। यह बड़ा सवाल इसलिए है क्योंकि इसका मतलब है कि अब श्रीलंका के हर आश्वासन को भारत में संदेह के साथ देखा जाएगा। सुरक्षा के मामले में श्रीलंका जो भी वादे करे, भारत को अपनी स्वतंत्र प्रतिरोध क्षमता विकसित करनी होगी।

तीसरा, चीनी दबाव के सामने छोटे देश लाचार हैं, खासकर महामारी के बाद लगे आर्थिक झटके की वजह से। इस सवाल पर क्वॉड और अन्य समान सोच वाले समूहों को मिल-जुलकर कुछ करना होगा क्योंकि चीन श्रीलंका जैसे देशों का बड़ा कर्जदाता होने के नाते आईएमएफ का बेलआउट पैकेज रुकवा भी सकता है। यही नहीं, इसने बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसियों से सहयोग की एवज में सैन्य कीमत वसूलने की प्रवृत्ति भी दिखा दी है। ऐसे में भारत को क्या करना चाहिए? जाहिर है, श्रीलंका को ऐसे ही छोड़ देना तो ठीक नहीं होगा। आखिर भारत आईएमएफ बोर्ड में श्रीलंका की नुमाइंदगी करता है। श्रीलंका का व्यापार और पर्यटन काफी हद तक उस पर निर्भर करता है जो भारत को प्रभावी स्थिति में ला देता है। लेकिन चीन के विपरीत भारत एक सौम्य शक्ति है, जो श्रीलंका को अस्थिर नहीं करना चाहेगा। इसलिए कोई भी जवाबी कदम उठाते समय भारत को उसके दूरगामी प्रभावों पर विचार कर लेना होगाः एक रास्ता यह हो सकता है कि ईंधन, ऊर्जा और कनेक्टिविटी (बंदरगाह समेत) के मामले में निर्भरता सुनिश्चित करते हुए श्रीलंका के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूती दी जाए। हालांकि इसमें रिस्क है। यह संभवतः सामरिक उद्देश्यों से घाटा उठाने वाला निवेश होगा।

बहुत संभव है यहां भारत सरकार प्राइवेट सेक्टर वाला मॉडल लाना चाहे खासकर इसलिए क्योंकि इसमें वित्तीय और व्यावसायिक फैसलों में लचीलेपन की काफी गुंजाइश रहती है। आखिर चीन ने भी इन्हीं वजहों से व्यावसायिक तौर पर लाभदायक न होने के बावजूद हंबनटोटा में निवेश किया।

सीढ़ियों पर भिड़े शिंदे और उद्धव खेमे के विधायक

महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर 'महाभारत'

महाराष्ट्र विधानसभा में आज सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के सामने आ गए। दोनों ही तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ जोरदार नारेबाजी चल रही थी। जहां विपक्ष सत्ता में शामिल एकनाथ शिंदे गुट और बीजेपी के विधायकों को निशाना बनाते हुए उन पर तल्ख टिप्पणियां कर रहा था। वहीं दूसरी तरफ सत्ताधारी पक्ष ने भी आज विधान भवन की सीढ़ियों पर विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दोनों ही तरफ से एक ही समय में नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन की वजह से हालात बेकाबू हो गए और नौबत धक्का-मुक्की तक आ गई।

हालांकि इसी बीच सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया। इस दौरान अजित पवार, विपक्ष के विधायकों को समझा-बुझाकर वापस सदन में ले गए। किसानों को समय पर मुआवजा न देने और महंगाई के मुद्दे पर एनसीपी नेता जयंत पाटील आज सदन की सीढ़ियों पर गाजर का हार पहने हुए नजर आए। विपक्ष की तरफ से लगातार शिंदे गुट के विधायकों को लेकर 50 खोखे (50 करोड़) लेने का आरोप लगाया जाता रहा। वहीं सत्तापक्ष भी आक्रामक नजर आया।

शिंदे गुट के विधायक भरत गोगावले ने कहा कि हर रोज विपक्ष के विधायक हमारे खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। यदि आज हमने किया तो यह लोग हमारे सामने आ गए। उन्हें हमारे जाने के बाद विरोध प्रदर्शन करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह तो अभी ट्रेलर है अभी बहुत कुछ बाकी है। गोगावाले यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि विपक्ष हमें क्या धक्का देगा। हम उन्हें धक्का देंगे।

मुंबई की सड़कों पर 25 हजार गड्ढे!

बीएमसी के दावों की खुली पोल

मुंबई: राज्य के लिए सबसे बड़ा त्योहार माना जाने वाला गणेशोत्सव आने में कुछ ही दिन बाकी हैं, लेकिन मुंबई की सड़कों पर अब भी गड्ढों की भरमार है। वहीं, बीएमसी के उपायुक्त हर्षद काले ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि 22 अगस्त तक सड़कें गड्ढामुक्त हो जाएंगी और गणपति का आगमन आसानी से होगा। बीएमसी में पूर्व नेता विपक्ष रवि राजा ने बीएमसी प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि सड़कों पर अब भी 25 हजार से अधिक गड्ढे हैं। बीएमसी हर साल गणेशोत्सव से पहले मुंबई की सड़कों को गड्ढामुक्त करने का स्वप्न गणेश भक्तों को दिखाती है, लेकिन उत्सव शुरू होने के बाद भी गड्ढे नहीं भरे जाते। वहीं, बीएमसी में पूर्व बीजेपी गुट नेता प्रभाकर शिंदे ने कहा कि प्रशासक को सड़कें और गड्ढे देखने की फुरसत नहीं है। गड्ढों को लेकर प्रशासन बिलकुल भी गंभीर नहीं है। कोई अधिकारी सड़क पर उतर कर गड्ढों को भरने को लेकर गंभीर नहीं है। मुंबई में 2055 किलोमीटर लंबी सड़कें हैं। इन सड़कों की मरम्मत और गड्ढे भरने के लिए बीएमसी ने 2200 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। टेंडर में नहीं दिखाई किसी ने रुचि बीजेपी नेता विनोद मिश्रा ने बीएमसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से गड्ढे भरने के लिए बीएमसी ने 7 करोड़ का टेंडर जारी किया था, जिसमें किसी ठेकेदार ने रुचि ही नहीं दिखाई है। बीएमसी के पास गड्ढों को भरने के लिए कोई योजना नहीं है। पहले कोल्ड मिक्स से भरने के लिए सैकड़ों करोड़ खर्च किए गए, लेकिन सब फेल रहा। अब मॉनसून के दौरान नई तकनीक लाने का ढिंढोरा पीटा गया, उसके लिए कोई ठेकेदार ही नहीं मिल रहा है। यह बीएमसी प्रशासन की बहुत बड़ी नाकामी है। इस साल भी बीएमसी की लापरवाही की वजह से गणेश भक्तों को गड्ढों में से ही गणपति को अपने घरों तक लाना होगा।

हटेगी सीबीआई जांच पर लगी पाबंदी, महा आघाडी सरकार ने लगाई थी - बढ़ेगी विपक्षी दलों की मुश्किलें

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर राज्य में प्रवेश पर लगी पाबंदी हटने वाली है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले के वक्त तत्कालिन महा विकास आघाडी सरकार ने राज्य में जांच के लिए सीबीआई पर पाबंदी लगा दी थी। बगैर राज्य सरकार के अनुमति के सीबीआई किसी मामले की जांच नहीं कर सकती, लेकिन अब राज्य में भाजपा के सहयोग से एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के बाद जल्द ही सीबीआई पर लगी पाबंदी हटा ली जाएगी। सूत्रों के अनुसार शिंदे-फडणवीस सरकार जल्द ही इस बावत फैसला लेगी। इसके पहले महा विकास आघाडी सरकार ने 21 अक्टूबर 2021 को राज्य में सीबीआई की जांच पर पाबंदी लगा दी थी। तत्कालिन ठाकरे सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को राज्य में किसी भी मामले की जांच करने से रोक दिया था। जांच के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया था। सूत्रों के अनुसार जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर फैसला लिया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो महाराष्ट्र में विपक्ष के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

राऊत ने कहा मैं दोषी नहीं - वीडियो कांफ्रेंसिंग से अदालत में हुए पेश

मुंबई। पत्राचाल घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग प्रकरण में जेल में बाद शिवसेना सांसद संजय राऊत को गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा की ओर से दायर किए गए मानहानि मामले में मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किए गए शिवसेना ने राऊत ने खुद को मानहानि के मामले में निर्दोष बताया। इससे पहले शिवड़ी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जेल प्रशासन को राऊत को 12 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश करने का निर्देश दिया। राऊत को फिलहाल आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में रखा गया है। मजिस्ट्रेट के निर्देश के तहत राऊत वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में हाजिर हुए। मेधा के वकील विवेकानंद गुप्ता ने बताया कि सुनवाई के दौरान राऊत ने खुद पर लगे आरोपों को अस्वीकार करते हुए स्वयं को बेगुनाह बताया। लिहाजा अब उन्हें मानहानि के मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई 19 सितंबर 2022 को रखी है। गौरतलब है कि ईडी ने पत्राचाल मामले में राऊत को एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। पिछली सुनवाई के दौरान मेधा की ओर से दायर मानहानि की शिकायत से जुड़े दस्तावेजों व क्लिप को देखने के बाद कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि राऊत ने शिकायतकर्ता (मेधा) के खिलाफ मानहानिपूर्ण टिप्पणी की है।

सिर्फ 40 विधायकों से लाड़-प्यार: अजित पवार

मुंबई। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विधानसभा में 287 विधायक हैं, लेकिन इनमें से केवल 40 विधायकों को ही लाड़-प्यार मिल रहा है। इन विधायकों ने यदि कलेक्टर, एसपी के तबादले के पत्र दिए तो एक झटके में उन अधिकारियों का तबादला कर दिया जाता है। ऐसे तबादले राज्य सरकार के लिए ठीक नहीं है। विधायकों के कहने पर तबादले नहीं होते, आईएएस और आईपीएस के तबादले मुख्यमंत्री को करने चाहिए, तभी प्रशासन ठीक तरीके से चलेगा। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल किया कि भाजपा जैसी पार्टी में यह क्या चल रहा है? विधानसभा में राज्य में

बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विपक्ष की ओर से प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करते हुए अजित पवार ने ठाणे में मुख्यमंत्री के आवास से कुछ दूरी पर चल रहे डांस बार और शिंदे गुट के विधायकों की दहशत की भाषा, राज्य में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के मसले पर सरकार को घेरा और सभागृह में उपस्थित उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर ताने मारे। अजित पवार ने कहा कि कैबिनेट में एक भी महिला को स्थान नहीं दिया गया। यह महाराष्ट्र (Maharashtra) के लिए यह शर्म की बात है। हमने कुछ महिलाओं को मौका दिया। हालांकि, हम यह दावा नहीं करते कि हमने बहुत बड़ा मौका दिया है। हम यहां 50 फीसदी महिला वोटरों के वोट पर बैठे हैं। आपने शुरू में कहा था कि आप सरकार में शामिल नहीं होंगे, फिर पार्टी का जनादेश आया और आप उपमुख्यमंत्री बने। उस वक्त आपको कहना चाहिए था कि मेरे साथ दो महिलाएं शपथ लेंगी, तभी मैं शपथ लूंगा। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह सिक्का और कुछ नहीं दिखाता।नेता प्रतिपक्ष ने शिंदे गुट के विधायक प्रकाश सुर्वे और संतोष बांगर के नाम का उल्लेख नहीं करते हुए उन्हें समझाइश देने की मांग की। सत्ता आती है और जाती है। फडणवीस ने कहा था कि मैं फिर आऊंगा, लेकिन उद्धव ठाकरे आ गए। पिछले अधिवेशन में यदि कोई कहता कि सत्ताधारी दल के सदस्य विपक्ष में बैठेंगे तो उसे पागल समझा जाता, लेकिन एकनाथ शिंदे ने चमत्कार किया। सत्ताधारी दल का एक विधायक हाथ-पैर तोड़ने की बात कहता है तो दूसरा विधायक ठेकेदार से मारपीट करता है। आप मुख्यमंत्री हैं और मैं विपक्ष का नेता हूं तो भी किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि उन्होंने ठाणे में 16 लेडीज बार बंद कराए थे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ठाणे में मुख्यमंत्री के घर के नजदीक लेडीज बार सुबह तक खुले रहते हैं। हमारे समय में ये लेडीज बार बंद थे और अब वे फिर से खुल रहे हैं। पवार ने भ्रष्टाचार और घोटालों में शामिल होने के आरोप में निलंबित अधिकारियों को बहाल करने के सरकार के फैसले की आलोचना की।

ऑटो-टैक्सी का चक्का होगा जाम!

38 हजार टैक्सी, सवा लाख ऑटोरिक्शा जाएंगे हड़ताल पर

मुंबई, ऑटोरिक्शा-टैक्सी के किराए में वृद्धि की मांग को लेकर कई महीनों से ऑटो-टैक्सी यूनियन को राज्य सरकार से केवल आश्वासन ही मिल रहा है लेकिन हकीकत में कुछ हो नहीं रहा है। 'ईडी' सरकार की इस बेरुखी को देखते हुए एक बार फिर ऑटो-टैक्सी यूनियन ने हड़ताल पर जाने की चेतावनी राज्य सरकार को दे डाली है। १५ सितंबर तक ऑटो-टैक्सी का किराया बढ़ाने का अल्टिमेटम देते हुए यूनियन ने कहा है कि यदि किराया वृद्धि की मांग को नहीं माना गया तो शहर में ऑटो और टैक्सी का चक्का जाम हो जाएगा। गौरतलब है कि मुंबई में लगभग ३८ हजार टैक्सी और एमएमआर में सवा लाख के करीब ऑटो रिक्शा सीएनजी पर संचालित होते हैं। मुंबई शहर में टैक्सी और ऑटोरिक्शा से सफर करनेवालों को १५ सितंबर से दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, मुंबई में टैक्सी व ऑटोरिक्शा चालकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की चेतावनी राज्य सरकार को अब गंभीरता से दे दी है, जिसकी तैयारी भी अब शुरू हो चुकी है।बेतहाशा बढ़े ईंधन के दामजानकारी के मुताबिक यूनियनों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समक्ष हड़ताल की धमकी देते हुए किराए में १० रुपए की बढ़ोतरी की मांग की है। मुंबई टैक्सीमेंस यूनियन का कहना है कि मार्च २०२१ में अंतिम किराया संशोधन के बाद से सीएनजी की कीमत में कुल ३२ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के कारण टैक्सी और ऑटोरिक्शा चलाने वालों को रोजाना २५० से ३०० रुपए की कमाई का नुकसान हो रहा है। अगर जल्द-से-जल्द पैâसला नहीं लिया जाता है तो हड़ताल करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। ईंधन की कीमतों में २५³ से अधिक की वृद्धि के हिसाब से ही किराए में वृद्धि होनी चाहिए।३५ रुपए हो न्यूनतम किरायाबता दें कि शहर में टैक्सी का न्यूनतम किराया २५ रुपए है, जिसे बढ़ाकर ३५ रुपए किए जाने की मांग टैक्सी मेंस यूनियन कर रही है,

जबकि ऑटो यूनियन ऑटो का किराया ईंधन में हुई वृद्धि के आधार पर बढ़ाने की मांग कर रही है।भिवंडी में बढ़ा रिक्शा किराया केंद्र सरकार द्वारा आए दिन पेट्रोल, डीजल व सीएनजी के दामों में की जा रही बढ़ोतरी का खामियाजा अब आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। महंगाई के मद्देनजर भिवंडी में रिक्शा चालकों ने रिक्शा किराए में ५० फीसदी बढ़ोतरी कर दी है और किराया १० रुपए से बढ़ाकर १५ रुपए प्रति यात्री कर दिया है। हालांकि रिक्शा चालकों ने किराया बढ़ोतरी के लिए प्रादेशिक परिवहन विभाग से कोई भी मंजूरी न लेकर इसमें मनमानी तरीके से वृद्धि कर दी है, जिसके कारण किराए को लेकर यात्रियों व रिक्शा चालकों में तकरार बढ़ गई है। इसे लेकर यात्रियों में आक्रोश व्याप्त है। मालूम हो कि भिवंडी में लोकल ट्रेन की सुविधा न होने के कारण यहां एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए रिक्शा ही एकमात्र साधन है। यहां रिक्शा चालक यात्रियों से मीटर की बजाय शेयर द्वारा किराया वसूलते है। रिक्शा चालक यात्रियों से एक स्टॉप से दूसरे स्टॉप का १० रुपया किराया वसूलते थे लेकिन पिछले कुछ महीनो में सीएनजी के दामों में भारी वृद्धि होने से रिक्शा चालक संगठनों ने मिलकर १० अगस्त से किराए में ५ रुपए की बढ़ोतरी कर दी है।

बंद होगी 10 एसी लोकल की सवारी

मुंबई, रेग्युलर टाइम में एसी लोकल के परिचालन को लेकर पिछले कई दिनों से रेल यात्रियों का गुस्सा उफान पर था। कलवा कारशेड सहित रेलवे स्टेशनों पर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए यात्री संगठनों ने रेल रोको आंदोलन तक कर डाला। यात्रियों की इस गर्माहट को रेलवे ने कल भांप लिया और आनन-फानन में निर्णय लेते हुए एसी लोकल की १० सवारी को बंद कर उसकी जगह साधारण लोकल चलाने की बात कही है। जिन १० एसी लोकल सेवाओं को रद्द करने का निर्णय लिया गया है, वो एसी लोकल १९ अगस्त से सेवा में शामिल हुई थीं। अब १० साधारण लोकल का टाइम टेबल २५ अगस्त से लागू होगा, वहीं अन्य ५६ एसी लोकल की सेवाएं जो १९ अगस्त से पहले चलती थीं, वो अपने शेड्यूल पर ही चलेंगी। एक एसी लोकल करती है १२ सेवाओं को प्रभावित बता दें कि एक तो एसी साधारण लोकल को हटाकर एक एसी लोकल, सेवा में शामिल की जाती है तो १० से १२ साधारण लोकल की सेवाएं प्रभावित होती हैं। ऐसे में उस रूट पर साधारण लोकल में सफर करनेवाले यात्रियों का सफर और समय दोनों प्रभावित होता है क्योंकि साधारण लोकल का हर कोई यात्री एसी का टिकट लेकर सफर करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में एसी लोकल के स्टेशन से छूटने के बाद अगली लोकल जो 'साधारण' लोकल होती है, उसमें यात्रियों की भीड़ डबल हो जाती है। कई यात्री ट्रेन में चढ़ भी नहीं पाते हैं। हालांकि यात्रियों की इस समस्या का हल कल निकल गया।•एसी लोकल सेवाओं को लेकर हम कई दिनों से यात्रियों की परेशानी रेलवे प्रशासन को समझा रहे थे लेकिन प्रशासन समझने को तैयार नहीं था। आंदोलन उग्र होता देख रेलवे की अक्ल ठिकाने आ गई। ये यात्री संगठनों की जीत है क्योंकि एसी लोकल का किराया सामान्य यात्री के लिए किफायती नहीं है। एसी ट्रेन चले लेकिन किराया भी किफायती होना चाहिए। नंदकुमार देशमुख (अध्यक्ष, ठाणे प्रवासी संगठन)

गली-गली पहुंचा 50 खोखे का नाराः अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल के मानसून सत्र के आखिरी दिन यहां विधान भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विपक्ष के नेता अजित पवार ने कहा कि 50 खोखे.. एकदम ओके का नारा गांव-गली तक पहुंच गया है और इससे शिंदे गुट के विधायकों को खासा दर्द हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवेशन के दौरान विपक्ष ने संयम दिखाया, इस वजह से कामकाज सुचारू रूप से चला।

शिंदे गुट और विपक्ष के विधायकों के आपस में भिड़ने पर अजित पवार ने कहा कि इससे महाराष्ट्र विधानमंडल की परंपरा को लेकर शंका पैदा हुई। हम इस विषय को बढ़ाना नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा कि 50 खोखे..एकदम ओके का नारा गांव-गांव तक जा पहुंचा है और इसकी वेदना शिंदे गुट को हुई है। सत्ताधारी दल विधानभवन की सीढ़ियों पर नारेबाजी नहीं करते, लेकिन वे नारेबाजी करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे विधानपरिषद में काम करने की अपेक्षा अपनी पार्टी पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उनकी पार्टी पर जो संकट आया है, वे उससे निपटने की कोशिश कर रहे हैं। वे गणेशोत्सव के बाद महाराष्ट्र दौर पर जाने वाले हैं। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अधिवेशन के दौरान केवल एक दिन विधानभवन पहुंचे

शराब और स्वास्थ्य: अच्छा, बुरा, और बदसूरत

इंटरनेट शराब के बारे में मिले-जुले संदेशों से भरा पड़ा है।
एक ओर, मध्यम मात्रा को स्वास्थ्य लाभ से जोड़ा गया है।
दूसरी ओर, यह नशे की लत और अत्यधिक विषैला होता है - खासकर जब आप बहुत अधिक पीते हैं।
सच्चाई यह है कि शराब के स्वास्थ्य प्रभाव व्यक्तियों के बीच भिन्न होते हैं और शराब की मात्रा और प्रकार पर निर्भर करते हैं।
यह लेख चर्चा करता है कि शराब आपके स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है।

शराब क्या है?

मादक पेय पदार्थों में मुख्य मनो-सक्रिय घटक इथेनॉल है।
आम तौर पर "अल्कोहल" के रूप में जाना जाता है, इथेनॉल वह पदार्थ है जो आपको नशे में डाल देता है।
यह खमीर द्वारा निर्मित होता है जो कुछ कार्ब युक्त खाद्य पदार्थों में चीनी को पचाता है, जैसे अंगूर - शराब बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है - या अनाज - बीयर बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।
शराब दुनिया में सबसे लोकप्रिय मनो-सक्रिय पदार्थों में से एक है। यह आपके मूड और मानसिक स्थिति पर शक्तिशाली प्रभाव डाल सकता है।

आपके जिगर की भूमिका

आपका जिगर सैकड़ों आवश्यक कार्यों के साथ एक उल्लेखनीय अंग है। इसकी मुख्य भूमिकाओं में से एक आपके द्वारा उपभोग किए जाने वाले विभिन्न विषाक्त पदार्थों को बेअसर करना है। इस कारण से, आपका लीवर विशेष रूप से शराब के सेवन से क्षतिग्रस्त होने की चपेट में है।
शराब के सेवन से होने वाले लीवर की बीमारियों को सामूहिक रूप से अल्कोहलिक लीवर डिजीज के रूप में जाना जाता है।
इनमें से पहला प्रकट होने वाला वसायुक्त यकृत है, जो यकृत कोशिकाओं के अंदर बढ़ी हुई वसा की विशेषता है।
फैटी लीवर धीरे-धीरे उन 90% लोगों में विकसित होता है जो प्रतिदिन 1/2 औंस (15 मिली) से अधिक शराब पीते हैं और आमतौर पर लक्षणहीन और पूरी तरह से प्रतिवर्ती होते हैं।

आपके मस्तिष्क पर प्रभाव

अत्यधिक शराब का सेवन आपके मस्तिष्क पर कई प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।
इथेनॉल मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संचार को कम करता है - नशे में होने के कई लक्षणों के लिए जिम्मेदार एक अल्पकालिक प्रभाव।
डिप्रेशन
शराब का सेवन और अवसाद निकटता से लेकिन जटिल रूप से जुड़े हुए हैं
जबकि शराब का सेवन और अवसाद एक साथ एक दूसरे के जोखिम को बढ़ाते हैं, शराब का सेवन सबसे मजबूत कारण हो सकता है।

शरीर का वजन

मोटापा एक गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय है।
वसा के बाद अल्कोहल दूसरा सबसे अधिक कैलोरी युक्त पोषक तत्व है - प्रति ग्राम लगभग 7 कैलोरी पैक करना।
बीयर में उतनी ही कैलोरी होती है जितनी शर्करा शीतल पेय, औंस के लिए औंस, जबकि रेड वाइन में दोगुनी होती है

दिल का स्वास्थ्य

हृदय रोग आधुनिक समाज में मृत्यु का प्रमुख कारण है।
यह बीमारियों की एक व्यापक श्रेणी है, जिनमें से सबसे आम हैं दिल का दौरा और स्ट्रोक।
शराब और हृदय रोग के बीच का संबंध जटिल है और कई कारकों पर निर्भर करता है।
हल्के से मध्यम शराब पीने से हृदय रोग का खतरा कम होता है, जबकि भारी शराब पीने से जोखिम बढ़ जाता है

कैंसर

कैंसर कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि के कारण होने वाली एक गंभीर बीमारी है।
शराब का सेवन मुंह, गले, कोलन, ब्रेस्ट और लीवर के कैंसर के लिए एक जोखिम कारक है

मौत का खतरा

यह विश्वास करना कठिन हो सकता है, लेकिन शराब आपको लंबे समय तक जीने में मदद कर सकती है।
अध्ययनों से पता चलता है कि शराब के हल्के और मध्यम सेवन से अकाल मृत्यु का खतरा कम हो सकता है - खासकर पश्चिमी समाजों में
मध्यम पीने को महिलाओं के लिए प्रति दिन एक मानक पेय और पुरुषों के लिए दो के रूप में परिभाषित किया गया है, जबकि भारी शराब पीने को महिलाओं के लिए प्रति दिन तीन से अधिक पेय और पुरुषों के लिए चार के रूप में परिभाषित किया गया है।

क्यों होती है ब्रेन डेथ, जानिए इसके लक्षण और कारण, क्या ब्रेन डेथ के बाद व्यक्ति ठीक हो सकता है?

पिछले कुछ हफ्तों में हम सभी ने खबरों के माध्यम से कुछ मेडिकल टर्म्स के बारे में जरूर सुना होगा। राजधानी दिल्ली के सबसे कम उम्र के ऑर्गन डोनर (16 माह) बने निशांत को डॉक्टर्स ने ब्रेन डेड घोषित किया था। एम्स दिल्ली में भर्ती मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को भी ब्रेन डेड घोषित किए जाने की खबरें सामने आई थीं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। ब्रेन डेड की स्थिति क्या होती है, क्या यह मौत का सूचक है? ऐसे कई सवाल हम सभी के मन में जरूर होंगे। इस लेख में हम ब्रेन डेथ के बारे में विस्तार से समझने की कोशिश करेंगे।
डॉक्टर्स बताते हैं, ब्रेन डेथ को मेडिकल की भाषा में मृत्यु के कानूनी परिभाषा का तौर पर जाना जाता है। किसी को ब्रेन डेड घोषित करने का मतलब है कि उसके मस्तिष्क ने सभी तरह से कार्य करने बंद कर दिए हैं, यानि कि शरीर को सिग्नल भेजने से लेकर समझने या बोलने की क्षमता तक हर किसी शारीरिक और मानसिक क्रिया पर मस्तिष्क द्वारा विराम लग गया है।
ब्रेन डेथ को ठीक नहीं किया जा सकता है, यह स्थाई स्थिति है। आखिर क्यों और कैसे होती है ब्रेन डेथ की स्थिति? आइए इस बारे में समझते हैं।

ब्रेन डेथ की स्थिति के बारे में जानिए

मस्तिष्क पर गंभीर चोट लगने, गंभीर स्ट्रोक या कुछ ऐसी शारीरिक स्थितियां जिसमें मस्तिष्क गंभीर रूप से प्रभावित होता हो, यह ब्रेन डेथ का कारण बन सकती हैं। जब डॉक्टर किसी को ब्रेन डेड घोषित कर देते हैं तो इसका मतलब होता है कि मस्तिष्क अब किसी भी तरह से काम नहीं कर रहा है। यदि वह व्यक्ति वेंटिलेटर पर है तो कृत्रिम तरीक से सांस देकर हृदय, किडनी, लिवर आदि अंगों को जीवित रखा जा सकता है। हालांकि यह अंग भी तभी तक जीवित रह सकते हैं, जब तक व्यक्ति वेंटिलेटर पर है और उसके शरीर में कृत्रिम तरीक से ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही है।
इसे ऐसे भी समझा जा सकता है कि ब्रेन डेथ का मतलब मस्तिष्क की तो मृत्यु हो गई है पर कृत्रिम तरीक से ऑक्सीजन के माध्यम से शरीर के कुछ अंग काम कर रहे हैं।

ब्रेन डेथ क्यों होता है?

कई स्थितियां है जिनके कारण व्यक्ति की ब्रेन डेथ हो सकती है।
मस्तिष्क पर गंभीर चोट (वाहन दुर्घटना के कारण सिर में गंभीर चोट, बंदूक की गोली का घाव, सिर के बल तेजी से गिरने से लगी चोट)
सेरेब्रोवास्कुलर इंजरी (स्ट्रोक या एन्यूरिज्म)
एनोक्सिया (दिल का दौरा पड़ना जिसके कारण मस्तिष्क में रक्त प्रवाह/ऑक्सीजन की कमी आ जाती है।)
मस्तिष्क का ट्यूमर।
डॉक्टर्स कहते हैं, ब्रेन डेथ आकस्मिक चोट या गंभीर बीमारी से हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर के कारण मस्तिष्क में होने वाले रक्तस्राव की स्थिति भी इसका कारण हो सकती है।

ब्रेन डेथ की स्थिति के क्या लक्षण होते हैं?

डॉक्टर्स बताते हैं कि वैसे तो किसी व्यक्ति को ब्रेन डेथ घोषित करने से पहले कई प्रकार के परीक्षणों के आधार पर पुष्टि की जाती है, पर कुछ स्थितियां और लक्षण ऐसे हैं जिससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि व्यक्ति ब्रेन डेड हो चुका है।

- पुलतियों का प्रकाश पर प्रतिक्रिया न देना।
- दर्द होने पर कोई प्रतिक्रिया न दिखना।
- आंख की सतह को छूने पर आंखों का न झपकना (कॉर्नियल रिफ्लेक्स)।
- कान में बर्फ का पानी डालने पर भी आंखों का न हिलना।
- इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम परीक्षण में मस्तिष्क की कोई गतिविधि न दिखाना।

क्या ब्रेन डेथ को ठीक किया जा सकता है?

डॉक्टर्स बताते हैं, ब्रेन डेथ की स्थिति स्थाई है इसे ठीक नहीं किया जा सकता है। किसी रोगी के ब्रेन डेड घोषित होने के बाद परिवार के साथ बात करके अंगदान का निर्णय लिया जाता है, जिससे व्यक्ति के जीवित अंग किसी और के काम आ सकें। वेंटिलेटर से हटने के बाद जैसी ही शरीर को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाता है, शरीर के अन्य अंग भी निष्क्रिय होने लगते हैं और उसे मृत मान लिया जाता है।

अध्ययनों ने माना- डायबिटीज में लाभकारी हैं ये सब्जियां, क्या आप करते हैं इनका सेवन?

डायबिटीज, समय के साथ वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर बीमारियों में से एक है। ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाना शरीर में कई प्रकार की जटिलताओं और कई अंगों के लिए समस्याकारक हो सकती है। यही कारण है कि ऐसे रोगियों को निरंतर बचाव के उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है। अक्सर डायबिटीज वाले रोगियों के लिए आहार का सही चयन करना कठिन कार्य होता है, क्या खाएं-क्या नहीं यह हमेशा से बड़ा प्रश्न रहा है। इस चक्कर में कई तरह के फलों-सब्जियों का सेवन न करने के कारण शरीर में स्वाभाविक तौर पर पोषक तत्वों की कमी होने लगती है, जिससे आपकी समस्याओं के और भी बढ़ने का खतरा हो सकता है।
अध्ययनों से पता चलता है कि डायबिटीज के साथ-साथ सभी लोगों को रोजाना आहार में हरी सब्जियों को जरूर शामिल करना चाहिए। कई सब्जियां आपके ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने के साथ शरीर को स्वस्थ और फिट रखने में भी मदद कर सकती हैं।
आइए मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद ऐसी ही कुछ सब्जियों के बारे में जानते हैं जिनको आहार में शामिल करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियों के लाभ डायबिटीज रोगियों के लिए आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल लाभकारी होता है। हरी पत्तेदार सब्जियां आवश्यक विटामिन्स, खनिज और पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। इनका रक्त शर्करा के स्तर पर भी बेहतर प्रभाव देखा गया है। पालक और केल जैसे पत्तेदार साग, पोटेशियम, विटामिन-ए और कैल्शियम का स्रोत हैं, इनसे प्रोटीन और फाइबर भी प्राप्त किया जा सकता है। कुछ शोधकर्ताओं ने पाया है कि इन पौधों की हाई एंटीऑक्सीडेंट सामग्री मधुमेह वाले लोगों के लिए सहायक हो सकती है। भिंडी को माना जाता है लाभकारी मधुमेह रोगियों के लिए जिन सब्जियों को सबसे फायदेमंद माना जाता है, भिंडी उनमें से एक है। यह पौष्टिक सब्जी विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर होती है। मधुमेह रोगियों को ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करने की आवश्यकता होती है जो स्वाभाविक रूप से रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकें। अध्ययनों में पाया गया है कि भिंडी का सेवन करना ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ने से रोकने में सहायक हो सकता है। मशरूम को सुपरफूड आहार के तौर पर जाना जाता है, ऐसे सबूत मिले हैं मशरूम, जो विटामिन-बी से भरपूर होता है, शरीर को कई प्रकार के लाभ दे सकता है। डायबिटिक रोगियों में इस विटामिन की कमी देखने को मिलती रही है। पर्याप्त मात्रा में विटामिन-बी वाली चीजों का सेवन कॉग्नेनिट डिक्लाइन की समस्या से राहत दिलाने में आपकी मदद कर सकती है। मशरूम से शरीर के लिए आवश्यक मात्रा में प्रोटीन की भी पूर्ति की जा सकती है।

डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया का बढ़ा खतरा, जानिए इन बीमारियों के लक्षण और इनसे बचाव के तरीके

देश में मानसून काल समाप्ति की ओर है, कुछ ही दिनों में शरद ऋतु की शुरुआत हो जाएगी। पोस्ट मानसून का यह समय यानी कि अगस्त के मध्य से लेकर अक्टूबर के महीने में देश में हर साल मच्छर जनित कई तरह की गंभीर बीमारियों का कहर देखने को मिलता रहा है। इन महीनों में मच्छरों के कारण होने वाले डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया बुखार के चलते अस्पतालों में भारी भीड़ देखने को मिलती है। हर साल मच्छर जनित इन बीमारियों के कारण हजारों लोगों की मौत हो जाती है। हालिया रिपोर्टस बताते हैं कि अस्पतालों में फिर से डेंगू के मरीज आने शुरू हो गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों से विशेष बचाव करते रहने की अपील कर रहे हैं।

डॉक्टर्स कहते हैं, मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियां जानलेवा हो सकती हैं, ऐसे में सभी लोगों के लिए इस मौसम में बचाव के लिए उपाय करते रहना आवश्यक है।
डेंगू जैसी बीमारियों में तेजी से ब्लड प्लेटलेट्स काउंट कम होने लगते हैं जिसके कारण गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम हो सकता है। इस तरह के खतरे से बचे रहने के लिए मच्छरों से बचाव करना आवश्यक है। आइए इन तीनों बीमारियों के बारे में विस्तार से समझते हैं और जानते हैं कि इनसे बचाव के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?
डेंगू के लक्षण और गंभीरता
डेंगू बुखार एडीज मच्छरों के काटने से होता है। डेंगू के मच्छर ज्यादातर दिन के समय में काटते हैं। संक्रमित मच्छर के काटने से लक्षण नजर आने (इनक्यूबेशन पीरियड) में 5-7 दिन लग सकते हैं। जिन लोगों में डेंगू संक्रमण का निदान होता है ऐसे लोगों को तेज बुखार (105° F तक) के साथ मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द, गंभीर सिरदर्द, छाती, पीठ या पेट पर लाल चकत्ते होने और मतली-उल्टी और दस्त की दिक्कत हो सकती है।
डेंगू की गंभीर स्थितियों में ब्लड प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगता है जिसमें त्वरित उपचार की आवश्यकता होती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आर्थिक कमजोरी रहेगी मेष राशि के लिए सितंबर 2020 का यह पहला सप्ताह मानसिक रूप से अस्थिरता देने वाला हो सकता है। इस दौरान निर्णय क्षमता कमजोर रहेगी। शीत रोग होने की आशंका है। सर्दी-जुकाम, बुखार हो सकता है। सप्ताह के मध्य से आपकी सक्रियता बढ़ेगी। कुछ अटके हुए कार्यों को गति देने का प्रयास करेंगे।

वृषभ : काम पूरे होने की संभावना वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला फल देगा। सप्ताह की शुरुआत में जो कार्य शुरू करेंगे वे हर हाल में सप्ताहांत तक पूरे होने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग मिलेगा। हालांकि उच्चाधिकारियों से एक राय बनाने को लेकर संशय रहेगा।

मिथुन : आर्थिक तरक्की प्राप्त होगी मिथुन राशि के जातकों के लिए नया सप्ताह आर्थिक तरक्की वाला रहेगा। वर्तमान में जो कार्य चल रहे हैं उनमें तरक्की होगी, धन का आगमन सामान्य से कुछ अधिक मात्रा में होगा। व्यापारियों को लाभ कमाने का अवसर मिलेगा। इस सप्ताह परिवार के बुजुर्गों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे।

कर्क : आय में वृद्धि होगी कर्क राशि के लिए यह सप्ताह आय बढ़ाने वाला साबित होगा। आपके संपत्ति संबंधी कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होंगी। भवन, भूमि वाहन सुख प्राप्ति के योग हैं। विद्यार्थियों के लिए सप्ताह अत्यधिक उत्पादक रहेगा। वे शैक्षणिक गतिविधियों में सबसे आगे रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी।

सिंह : प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी सिंह राशि के बिजनेस और नौकरीपेशा लोगों के लिए यह सप्ताह उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। कारण यह कि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आना शुरू हो जाएगा। अब तक जिन कार्यों में आपको हानि हो रही थी, वे लाभ देने लगेंगे। इससे आप मानसिक शांति महसूस करेंगे। पारिवारिक स्थिति उत्तम रहेगी।

कन्या : जॉब में परिवर्तन के योग हैं कन्या राशि के व्यापारियों के लिए यह सप्ताह शानदार रहेगा। नौकरीपेशा को बड़ा पद और पैसा ऑफर हो सकता है। जॉब में स्थान परिवर्तन के भी योग बन रहे हैं। आपकी रुचि धर्म, अध्यात्म, योग आदि में बढ़ेगी। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह शुभ है।

तुला : अटक सकते हैं कुछ काम तुला राशि के जातकों को इस सप्ताह अचानक यात्राएं करना पड़ सकती हैं। नए कार्य व्यवसाय को लेकर योजनाएं बनेंगी, लेकिन उन्हें पूर्ण करने के लिए मेहनत अधिक करना पड़ेगी। धन की कमी के चलते कुछ काम अटक सकते हैं। परिवार के बुजुर्गों को समय दें। संतानपक्ष के कार्यों को सराहना और सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक : बीमारियों पर खर्च होगा वृश्चिक राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आ सकती हैं। इस सप्ताह बीमारियों पर भी खर्च अधिक होने की स्थिति है। पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज लेना पड़ सकता है। धन संबंधी मामलों में सावधान रहें, कोई व्यक्ति आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकता है।

धनु : अचानक खर्च आएंगे धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खर्च की अधिकता रहेगी। कुछ काम अचानक आएंगे और कुछ बेवजह के कामों पर खर्च होगा। नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। साझेदारी में भी काम कर सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं पर भी अपेक्षाकृत अधिक खर्च होगा। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

मकर : अच्छी खबरों वाला सप्ताह है नया सप्ताह मकर राशि के जातकों के लिए कुछ अच्छी खबरें लेकर आ रहा है। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक, जॉब, बिजनेस सभी के लिहाज से यह सप्ताह अच्छा बीतने की संभावना बन रही है। जिन जातकों को पिछले कुछ सप्ताह से परेशानियां चल रही हैं, कार्यों में रूकावटें आ रही हैं, वे इस सप्ताह दूर हो जाएंगी।

कुंभ : सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करना होगी। इसके लिए जरूरी होगा समय का सही प्रबंधन करना। चाहे आप नौकरी कर रहे हों या बिजनेस, आप निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाने की आवश्यकता है। बौद्धिक कार्य, लेखन, साहित्य आदि से जुड़े लोगों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है।

मीन : धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे बिजनेस में बने हुए उतार-चढ़ाव इस सप्ताह कुछ संभलेंगे। समय प्रबंधन और प्रोफेशनल एप्रोच रखने से लाभ होगा। निजी संबंधों को सुधारने के लिए अहंकार को त्यागना होगा। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव की स्थिति ना आने दें। कोई विवाद हो तो आपसी बातचीत से हल कर लें।

अगर आपको अपने मोहल्ले ने कुछ नए लड़के दिखें तो घबराएं नहीं...
ये लड़के मोहल्ले के ही हैं। बस PUBG की वजह से घर से बाहर नहीं निकलते थे।

सोनू की पड़ोसन मिलने आई। सोनू ने पत्नी से कहा कि तुम्हारी दाल गैस पर जल रही है।
.पत्नीः दाल जले तो जले पर मैं तुम्हारी दाल गलने नहीं दूंगी।

स्त्री सब सह लेती है और पुरुष उस स्त्री को सह लेता है...
तो अब बताइए कि ज्यादा महान कौन है?

बीपी मंडल की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बीपी मंडल जी की जयंती आज पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। पटना में राजकीय जयंती समारोह का आयोजन देशरत्न मार्ग चौराहे पर स्थित स्व. बी पी मंडल जी की प्रतिमा के निकट आयोजित की गई, जहां राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री ललित कुमार यादव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, शिक्षा मंत्री चन्द्रशेखर, गन्ना उद्योग मंत्री शमीम अहमद, आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज, सूचना प्रावैधिकी मंत्री मो. इसराईल मंसूरी, स्व. बीपी मंडल की पुत्री वीणा देवी, स्व. बीपी मंडल के पौत्र एवं इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के अधीक्षक डॉ. मनीष कुमार मंडल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों स्व. बीपी मंडल जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया। कार्यक्रम के पश्चात् पत्रकारों द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम स्व. बीपी मंडल जी के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते । मधेपुरा में हम इनके घर पर भी जाते रहे हैं। इनके परिवार के लोगों से बहुत अच्छा संबंध है। इनके प्रति हमलोगों का सम्मान का भाव स्व. बीपी मंडल जी की मूर्ति यहां स्थापित की गई है, हम यहां हर बार आते हैं।

सीएम ने की सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा

रोजगार और स्वरोजगार राज्य शासन की प्राथमिकता: शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं में शुरू होने वाले 17 कलस्टर्स निर्माण की प्रक्रिया एक माह में आरंभ की जाए। रोजगार और स्व-रोजगार राज्य शासन की प्राथमिकता है। फार्मा, फर्नीचर, रेडीमेड गारमेंट, फूड-प्रोसेसिंग और खिलौना निर्माण में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन होता है। इन कलस्टर्स का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा करें। औद्योगिक पार्कों के निर्माण की प्रक्रिया को भी गति दी जाए। साथ ही केवल रोजगार ही नहीं स्व-रोजगार के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से युवाओं को जोड़ने के लिए सुविधाजनक वातावरण और युवाओं को आवश्यक प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्व-रोजगार योजनाओं में अनुदान की राशि सीधे हितग्राहियों के खाते में ऑनलाइन हस्तांतरित करने के लिए पोर्टल अपग्रेडेशन का कार्य शीघ्र पूर्ण करें। सभी जिला कलेक्टर प्रतिमाह होने वाले रोजगार दिवस में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ें। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि शासकीय विभागों के क्रय में गुणवत्ता से समझोता किए बिना राज्य में निर्मित सामग्री को प्राथमिकता दी जाए। इससे राज्य के उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश में स्टार्टअप के लिए बेहतर इको सिस्टम विद्यमान है, खाद्य प्र-संस्करण और कृषि से संबंधित स्टार्टअप्स की पर्याप्त संभावनाएँ विद्यमान हैं। क्षेत्र में विभिन्न विभागों में परस्पर समन्वय से कार्य को गति दी जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, एम.एस.एम.ई. प्रोत्साहन योजना और मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति में निवेश पर सहायता जैसी योजनाओं का लाभ लेने में युवाओं को कोई समस्या नहीं आए। जिला-एक उत्पाद योजना में निर्मित सामग्री को ई-कॉमर्स कम्पनियों के साथ जोड़ने की दिशा में वॉलमार्ट वृद्धि के साथ एम.ओ.यू. किया जा चुका है। हेमलेज, फर्स्ट क्राय आदि से भी बातचीत जारी है।

सोनिया, राहुल ही नए कांग्रेस अध्यक्ष को चुनें: खड़गे

कांग्रेस में नए नेतृत्व की तलाश के बीच पार्टी नेता प्रियांक खड़गे ने बृहस्पतिवार को पैरवी की कि सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी ही नया अध्यक्ष तय करें। उन्होंने यह भी माना कि अशोक गहलोत इस पद के लिए अच्छी पसंद हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एम मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने कहा कि ज्यादातर पार्टी कार्यकर्ता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि राहुल गांधी या प्रियंका गांधी वाद्रा पार्टी की कमान संभालें क्योंकि पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन में उनकी व्यापक स्वीकार्यकता है। प्रियांग खड़गे ने कहा, आप पसंद करें या नहीं, लेकिन उनकी अपील असर करती है। यदि आप हाल के हमारे इतिहास को खंगालें, तो आप पाएंगे कि कांग्रेस के केंद्र में गांधी के नहीं रहने पर काम करना असंभव है क्योंकि वे सभी को जोड़े रखते हैं। कर्नाटक के पूर्व मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, ऐसा नहीं है कि हम गांधी परिवार के बिना काम नहीं कर सकते , लेकिन वे गोंद की भांति हैं जो सभी को जोड़कर रखते हैं। इस परिवार ने पार्टी के लिए सबसे अधिक बलिदान दिया है। उनका कहना है कि यदि दोनों यह पद लेने को अनिच्छुक हों, तो यह सोनिया गांधी एवं राहुल के विवेक पर छोड़ दिया जाना चाहिए कि किसे पार्टी अध्यक्ष होना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें (सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को) चुनने दीजिए। उनकी सहमति से जो भी आएगा वह पार्टी के सबसे अधिक हित में होगा। इस पद के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रबल दावेदार के रूप में उभरने के संबंध में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता प्रियांक खड़गे ने कहा कि वह जादूगर के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनके अनुभव, अपील तथा विभिन्न राज्यों के नेताओं के साथ उनके संबंधों के मद्देनजर यदि पार्टी चाहती है कि वह पार्टी की अगुवाई करें तो यह एक अच्छी पसंद है। हालांकि प्रियांक खड़गे ने यह भी कहा कि मुकुल वासनिक और गुलाम नबी आजाद जैसे नेताओं के नामों की भी चर्चा है। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए सुझाए जा रहे इन नेताओं के पास भी बहुत अनुभव है और वे पार्टी के प्रति निष्ठावान हैं। गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए उनके प्रबल दावेदार होने संबंधी खबरों को बुधवार यह कहते हुए तवज्जो नहीं दी कि राहुल गांधी को पार्टी की कमान फिर संभालने के वास्ते मनाने के लिए आखिरी क्षण तक कोशिश की जाएगी।

हैदराबाद की स्थिति सीधे तौर पर राजा सिंह के नफरत फैलाने वाले भाषण का नतीजा: ओवैसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निलंबित कर दिए गए विधायक टी राजा सिंह की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि हैदराबाद के कुछ हिस्सों में हुआ प्रदर्शन सीधे तौर पर भाजपा नेता के कथित नफरत फैलाने वाले भाषण का नतीजा है। ट्विटर पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पुलिस ने बुधवार को शाह अली बांदा इलाके से 90 लोगों को हिरासत में लिया था और उनके दखल के बाद हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा किया गया। हैदराबाद से सांसद ने ट्विटर पर कहा, यह स्थिति राजा सिंह के नफरत फैलाने वाले भाषण का सीधा नतीजा है। उन्हें जल्द से जल्द जेल भेजा जाना चाहिए। मैं फिर से शांति बनाए रखने की अपनी अपील दोहराता हूं। हैदराबाद हमारा घर है, इसे सांप्रदायिकता का शिकार नहीं होना चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में पार्टी के पार्षद तनाव कम करने के लिए पूरी रात काम करते रहे। शहर के कुछ संवेदनशील इलाकों में राजा सिंह के खिलाफ प्रदर्शन की छिटपुट घटनाएं हुई हैं। सिंह को एक वीडियो में इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित टिप्पणी करने के लिए 23 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि इस वीडियो को बाद में सोशल मीडिया मंचों ने हटा दिया था। सिंह को एक स्थानीय अदालत ने ज़मानत दे दी थी। अदालत से उन्हें ज़मानत मिलने के बाद शहर के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए जो बुधवार दोपहर तक चले। असदुद्दीन ओवैसी ने एक अन्य ट्वीट में कहा, डीसीपी दक्षिण को मेरे अभ्यावेदन पर, शाह अली बांदा और आशा टॉकीज के प्रदर्शनकारी 90 युवाओं को रिहा कर दिया गया है। एआईएमआईएम विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला और हमारे पार्षद पूरी रात तनाव कम करने के लिए काम करते रहे। मैं उनके और पुलिस के भी संपर्क में रहा हूं। उनके अनुसार, एक मामले में पुलिस ने अधिक बल का प्रयोग किया और एक घर में घुसकर पांच युवकों को हिरासत में ले लिया। हैदराबाद से सांसद ने ट्विटर पर कहा, यह स्वीकार्य नहीं है। मेरे दखल पर उन्हें रिहा कर दिया गया है। मैंने अपने पार्षदों से कहा कि वे युवकों को घर वापस छोड़ दें।

मोहन भागवत आज त्रिपुरा का दो दिवसीय दौरा करेंगे

अगरतला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को त्रिपुरा आएंगे। इस दौरान वह यहां उज्जयंत महल जाएंगे और गोमती जिले के सरबोंग आश्रम में एक मंदिर का उद्घाटन करेंगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भागवत शुक्रवार तड़के एमबीबी हवाई अड्डा पहुंचेंगे और फिर वहां से उज्जयंत महल के लिए रवाना होंगे। भागवत को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। माणिक्य राजवंश के महल में कुछ देर रूकने के बाद, वह पश्चिम त्रिपुरा जिले के खैरपुर इलाके में स्थित आरएसएस मुख्यालय सेवाधाम जाएंगे। सेवाधाम से आरएसएस प्रमुख शनिवार को गोमती जिले के अमरपुर अनुमंडल स्थित सरबोंग आश्रम के लिए रवाना होंगे।

बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार देहरादून एक्सप्रेस 15 सितंबर से चलेगी एलएचबी रेकों के साथ

यात्रियों को और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए पश्चिम रेलवे ने ट्रेन संख्या 19019/19020 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार देहरादून एक्सप्रेस के पारंपरिक रेकों को एलएचबी रेकों से बदलने का निर्णय लिया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन संख्या 19019/19020 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार देहरादून एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनस से 15 सितंबर, 2022 से और हरिद्वार से 16 सितंबर, 2022 से पारंपरिक रेकों के बजाय एलएचबी रेकों के साथ चलेगी। इस ट्रेन में एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे हैं। उन्होंने बताया कि इस बदलाव से यात्रियों की यात्रा और आरामदायक होगी तथा ट्रेन परिचालन में संरक्षा में वृद्धि भी सुनिश्चित होगी।

कांदिवली स्टेशन पर मध्यवर्ती पैदल ऊपरी पुल की उत्तर दिशा की सीढ़ी पुनर्निर्माण कार्य के लिए बंद

कांदिवली स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 4 पर मध्यवर्ती पैदल ऊपरी पुल की उत्तर दिशा की सीढ़ी पुनर्निर्माण कार्य के लिए 29 अक्टूबर, 2022 तक बंद रहेंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस अवधि के दौरान यात्री इस पैदल ऊपरी पुल की दक्षिण दिशा की सीढ़ी और प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर उपलब्ध अन्य दो पैदल ऊपरी पुल का उपयोग कर सकते हैं। इस सीढ़ी के बंद होने के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा खेद व्यक्त किया गया है।

महिला से छेड़छाड़ के आरोप में आईटीबीपी का जवान गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजकीय रेलवे पुलिस ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक आरक्षक को रेलगाड़ी में एक महिला से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने और उसे डराने-धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में एक महिला से छेड़छाड़ करने और उसको डराने-धमकाने के आरोप में राजकीय रेलवे पुलिस ने आईटीबीपी के आरक्षक भूपेंद्र सिंह (41) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि सिंह पर आरोप है कि छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में सफर करने के दौरान उसने एक महिला से छेड़छाड़ की थी।

सोमनाथ स्टेशन के रिडेवलपमेंट कार्य के चलते ट्रेनों का परिचालन वेरावल से होगा

सोमनाथ स्टेशन का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, साथ ही ट्रेन परिचालन भी जारी है। पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने हेतु रेल प्रशासन द्वारा सोमनाथ स्टेशन तक जाने वाली सभी ट्रेनों का आगमन/प्रस्थान 01.09.2022 से अगली सूचना तक वेरावल स्टेशन से किया जायेगा। जिसके कारण अहमदाबाद से सोमनाथ आने/जाने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार रहेगा ट्रेन संख्या 19119/19120 अहमदाबाद-सोमनाथ-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन 01 सितंबर 2022 से अहमदाबाद और वेरावल के बीच चलेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 11464/ 11466 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस 31 अगस्त 2022 से जबलपुर और वेरावल के बीच चलेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 11463/ 11465 जबलपुर-सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन 01 सितंबर 2022 से वेरावल और जबलपुर के बीच चलेगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

विभाजनकारी तत्वों की विदाई के बाद ही देश का भला

केसीआर ने साधा भाजपा और मोदी सरकार पर निशाना

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने केंद्र सरकार पर हमले जारी रखते हुए गुरुवार को उस पर विभाजनकारी राजनीति करने और देशभर में गैर-भाजपा सरकारों को गिराने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र की सत्ता में बैठे दुष्ट लोगों की विदाई के बाद ही देश और राज्य का भला होगा। केसीआर ने यहां रंगारेड्डी जिले के एकीकृत कार्यालय परिसर का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद कृष्णा नदी के जल में तेलंगाना के हिस्से को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। उन्होंने पूछा, केंद्र की निकम्मी सरकार को हटाने के बाद ही हमारा भला होगा। हमारे तेलंगाना को आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति में भी एक अहम भूमिका निभानी चाहिए। क्या तेलंगाना को (भूमिका) निभानी चाहिए? क्या हमें राष्ट्रीय राजनीति में हाथ आजमाना चाहिए? क्या हमें आगे बढ़ना चाहिए?

केसीआर ने कहा, इन दुष्ट लोगों को अलविदा कहने के बाद ही देश का प्रायश्चित हो पाएगा और सुनहरा तेलंगाना बन पाएगा। उन्होंने कहा कि, तेलंगाना को राष्ट्रीय राजनीति में एक जीवंत भूमिका निभाते हुए, महायज्ञ में भी भागीदार बनना चाहिए, जो यह साबित करेगा कि धार्मिक पागलपन के शिकार इन लोगों के लिए इस देश में कोई जगह नहीं है, जिन्होंने लोगों को विभाजित करके समाज में अधीरता पैदा की और अलोकतांत्रिक तरीके से विपक्षी दलों की सरकारों को गिराया।

झारखंड के पुलिसकर्मी जंगलों से लेकर शहर तक तैनात हैं

हमारा प्रयास है कि हर कर्मचारी निर्भीक होकर कार्य करे: सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के पुलिसकर्मियों का उत्साह देखते बन रहा है। आज होली नहीं है, फिर भी हमारे पुलिसकर्मी भाइयों ने सड़कों पर होली जैसा माहौल बना दिया है। मुख्यमंत्री ने उक्त बातें मुख्यमंत्री आवास में आये झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के पुलिसकर्मियों को कहीं। आज पुलिस मेंस एसोसिएशन राज्य में क्षतिपूर्ति अवकाश को पूर्व की भांति लागू करने के लिए पुलिसकर्मियों की ओर से मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित कर रहा था। उन्होंने कहा कि बैंड बाजे के साथ आई मेंस एसोसिएशन की टीम ने मुख्यमंत्री को मिठाई खिलाकर एवं रंग गुलाल उड़ाकर अपनी खुशी को मुख्यमंत्री से साझा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि राज्य का हर कर्मचारी खुले मन से निर्भीक होकर कार्य कर सके और राज्य को नई दिशा दें। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य के पुलिसकर्मी जंगलों से लेकर शहर तक तैनात हैं। उन सबों का व्यक्तिगत जीवन, व्यक्तिगत भावनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भी मान सम्मान से जीने का अधिकार है। उन सभी को मान-सम्मान मिले, इसके लिए हम सदैव प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर पेयजल एवं स्वछता विभाग के मंत्री मिथिलेश ठाकुर, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चंपई सोरेन, अल्पसंख्यक कल्याण, पर्यटन, कला और संस्कृति, खेल, युवा मामले विभाग के मंत्री हफीजुल अंसारी, स्कूली शिक्षा, साक्षरता विभाग के मंत्री जगरनाथ महतो, सांसद विजय हांसदा एवं सांसद महुआ माजी उपस्थित थीं।

जम्मू कश्मीर की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला समय आने पर : फारूक

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा की सभी 90 सीट पर चुनाव लड़ने का अंतिम निर्णय चुनाव के समय लिया जाएगा। अब्दुल्ला के बयान से एक दिन पहले, नेकां की प्रांतीय समिति ने सभी 90 सीट पर चुनाव लड़ने और पीएजीडी के अन्य घटक दलों के साथ गठबंधन नहीं करने का प्रस्ताव पारित किया था। इस गठबंधन का गठन भारतीय संविधान के तहत जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने के लिए किया गया था। अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, पीएजीडी कभी अपने दरवाजे बंद नहीं करेगा। नेकां की प्रांतीय समिति के प्रस्ताव पारित करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह एक लोकतांत्रिक पार्टी है लेकिन विधानसभा की सभी 90 सीट पर चुनाव लड़ने पर अंतिम निर्णय चुनाव के समय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, वह (संकल्प) सही है। नेकां एक लोकतांत्रिक पार्टी है और एक लोकतांत्रिक पार्टी प्रस्ताव पारित कर सकती है मगर अंतिम फैसला चुनाव आने पर लिया जाएगा। नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में यहां पार्टी मुख्यालय नवा-ए-सुब्ह में बुधवार को प्रांतीय समिति की बैठक के दौरान सदस्यों ने पीएजीडी के घटक दलों द्वारा नेकां के विरोध में हाल में दिए गए कुछ बयानों पर आपत्ति जताई थी। बयान में कहा गया था, उन्हें ऐसा लगता है कि गठबंधन में एकता नहीं है। उन्होंने पीएजीडी में जेकेएनसी (जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस) के साथ किए गए अनुचित बर्ताव की निंदा की।

SPORTS खेल जगत

लक्ष्य को हराकर प्रणय क्वार्टर फाइनल में

●बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप :साइना बाहर , कपिला-अर्जुन, सात्विक . चिराग भी अंतिम आठ में

भारत के एच एसप्रणय ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन और राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य सेन को हराकर बृहस्पतिवार को बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि पुरुष युगल में ध्रुव कपिला और एम आर अर्जुन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी भी अंतिम आठ में पहुंच गई। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल महिला एकल प्री क्वार्टरफाइनल में कड़ी चुनौती पेश करने के बाद बुसानन ओंगबामृंगफान से हारकर बाहर हो गईं। लक्ष्य और प्रणय का मैच करीब सवा घंटे तक चला जिसमें प्रणय ने 17-21, 21- 16, 21-17 से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद दोनों के बीच जीत हार का रिकॉर्ड 2 -2 का हो गया है। अब प्रणय का सामना चीन के झाओ जुन पेंग से होगा। उनके अलावा दो भारतीय पुरूष युगल जोड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंचने में सफल रहीं। अर्जुन और कपिला की गैर वरीय जोड़ी ने 58 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में सिंगापुर के टैरी ही और लोह कीन हीन पर 18-21, 21-15, 21-16 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना इंडोनेशिया के मोहम्मद असान और हेंड्रा सेतियावान से होगा। कपिला और अर्जुन ने दूसरे दौर में आठवीं वरीयता प्राप्त और पिछली बार के कांस्य पदक विजेता डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन को हराया था। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने डेनमार्क के जेप्पा बे और लासे मोल्हेडे की जोड़ी को 35 मिनट में 21-12 21-10 से हरा दिया। अब उनका सामना क्वार्टरफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की दूसरी वरीय जोड़ी से होगा। वहीं साइना को थाईलैंड की प्रतिद्वंद्वी से 17-21 21-16 13-21 से हार मिली। इस जीत से बुसानन का साइना के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 5-3 हो गया है। बुसानन ने शुरूआती गेम में 11-3 की बढ़त हासिल कर ली जिससे साइना दबाव में आ गईं। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने इस अंतर को कम करते हुए 17-19 कर लिया लेकिन थाईलैंड की खिलाड़ी ने आसानी से पहला गेम जीत लिया। पर पहले गेम के अंत में वापसी ने साइना को आत्मविश्वास दिया और पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ब्रेक तक 11-7 से आगे हो गई। उन्होंने आक्रामक खेलते हुए मैच निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। पर बुसानन ने लय हासिल करनी शुरू दी और पांच अंक की बढ़त बनाई। वहीं साइना धीरे धीरे पिछड़ती रहीं और 26 साल की बुसानन ने सात मैच प्वाइंट से अपना क्वार्टरफाइनल स्थान पक्का किया।

हांगकांग ने एशिया कप के लिए क्वालीफाई किया

हांगकांग में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आठ विकेट से हराकर एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया जहां उसे भारत और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। यूएई और हांगकांग के लिए एशिया कप क्वालीफायर्स का अंतिम मैच फाइनल जैसा था। अल अमेरात में बुधवार को खेले गए मैच में यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 147 रन बनाए। उसकी तरफ से चुंदंगापॉयल रिजवान ने 49 और जावर फरीद ने 43 रन का योगदान दिया। हांगकांग के लिए एहसान खान ने 24 रन देकर चार जबकि आयुष शुक्ला ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। हांगकांग में 19.3 ओवर में दो विकेट पर 149 रन बनाकर जीत दर्ज की। निजाकत खान (39), यासिम मुर्तजा (58) और बाबर हयात (नाबाद 38) ने हांगकांग की जीत में अहम भूमिका निभाई। हांगकांग ने क्वालीफायर में अपने तीनों मैच जीते और वह छह अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर रहा। उसने दूसरी बार एशिया कप में जगह बनाई है। इससे पहले वह 2018 में भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा था। यूएई में 27 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप में हांगकांग 31 अगस्त को भारत और दो सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगा।

न्यूजीलैंड श्रृंखला में भारत ए टीम के कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे कोटक

न्यूजीलैंड ए के खिलाफ एक सितंबर से शुरू हो रही आगामी श्रृंखला में सितांशु कोटक भारत ए टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर साईराज बहुतुले बेंगलुरू और हुबली में तीन टेस्ट मैचों और चेन्नई में तीन वनडे के लिए कोचिंग स्टाफ में कोटक के साथ जुड़ेंगे। सामान्यत: राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख ही ए टीमों के मुख्य कोच होते हैं लेकिन वीवीएस लक्ष्मण को राहुल द्रविड़ के कोविड-19 पॉजिटिव आने के बाद सीनियर टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया है तो कोटक को यह भूमिका दी गई है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के पास एनसीए के अंतर्गत कोचों का पूल है जिन्हें ए, एमर्जिंग (अंडर 20) और अंडर-19 टीमों के दौरों के लिए रोटेट किया जाता है। कभी कभार उन्हें सीनियर टीम के दौरों पर भी भेजा जाता है जैसे कोटक आयरलैंड में टीम के साथ थे और ऋषिकेश कानिटकर जिम्बाब्वे में थे। कानिटकर के अंडर-23 एमर्जिंग इंट्रा एनसीए टूर्नामेंट की देखरेख करने की संभावना है।

दलीप ट्राफी : मंदीप उत्तर क्षेत्र के कप्तान, तिवारी करेंगे पूर्वी क्षेत्र की अगुआई

नई दिल्ली। पंजाब के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मंदीप सिंह को आगामी दलीप ट्राफी के लिए गुरूवार को उत्तर क्षेत्र की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। यह टूर्नामेंट तमिलनाडु में आठ से 25 सितंबर तक खेला जाएगा। दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज ध्रुव शोरे उप कप्तान होंगे। वहीं बंगाल के अनुभवी मनोज तिवारी पूर्वी क्षेत्र की टीम की कमान संभालेंगे। झारखंड के विराट सिंह उप कप्तान होंगे। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने खुद को रणजी ट्राफी के लिए उपलब्ध कराया है। उत्तर क्षेत्र की टीम में भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी, पंजाब के तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल और भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान दिल्ली के यश धुल भी शामिल है। उत्तर क्षेत्र की टीम : यश धुल (दिल्ली), ध्रुव शौरी (उप-कप्तान, दिल्ली), मनन वोहरा (उत्तराखंड), मनदीप सिंह (कप्तान, पंजाब), हिमांशु राणा (हिमाचल प्रदेश), आकाश वशिष्ठ (हिमाचल प्रदेश), अनमोल मल्होत्रा (विकेटकीपर, पंजाब), मयंक डागर (हिमाचल प्रदेश), पुलकित नारंग (सेना), नवदीप सैनी (दिल्ली), सिद्धार्थ कौल (पंजाब), जगजीत सिंह (उत्तराखंड), निशांत सिंधु (हिमाचल प्रदेश), कामरान इक्बाल (जम्मू कश्मीर), विकास मिश्रा (दिल्ली)। **पूर्वी क्षेत्र की टीम:** मनोज तिवारी (कप्तान), सुदीप कुमार घरामी, अनुष्टुप मजूमदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, ईशान पोरेल, आकाश दीप (सभी बंगाल के), विराट सिंह (उप-कप्तान), नाजिम सिद्दीकी, कुमार कुशाग्र, शाहबाज नदीम (सभी झारखंड), मुख्तार हुसैन, रियान पराग (असम), मणिशंकर मुरा सिंह (त्रिपुरा), शांतनु मिश्रा (ओडिशा)।

देश परदेश

आतंकवाद मामले में इमरान खान को अंतरिम जमानत

पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने राजधानी में एक रैली के दौरान पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकाने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ पिछले सप्ताह दर्ज आतंकवाद के मामले में उन्हें एक सितंबर तक अंतरिम जमानत दे दी है। आतंकवाद-निरोधी अदालत के न्यायाधीश राजा जवाद अब्बास हसन ने बृहस्पतिवार को खान को एक लाख रुपए के मुचलके पर एक सितंबर तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान की जमानत याचिका उनके बृहस्पतिवार को यहां पहुंचने से पहले अदालत में दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि उनके खिलाफ आतंकवाद का मामला पुलिस द्वारा बदले की कार्वाई के रूप में दर्ज किया गया था। संघीय न्यायिक परिसर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, जहां पुलिस और फ्रंटियर कोर के जवान घटनास्थल पर तैनात थे। परिसर के आसपास की सड़कों को भी बंद कर दिया गया। इस बीच, खान गिरफ्तारी की संभावनाओं के मद्देनजर पार्टी ने अपने समर्थकों से आह्वान किया था कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री को हिरासत में लिया जाता है तो वे लोग (समर्थक) सड़कों पर उतरें और फिर अगले दिन इस्लामाबाद पहुंचें। खान (69) पर रविवार को इस्लामाबाद में एक सार्वजनिक रैली के दौरान एक महिला न्यायाधीश और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को धमकी देने के कारण आतंकवाद-रोधी अधिनियम (आतंकवाद के कृत्यों के लिए सजा) की धारा-सात के तहत मामला दर्ज किया गया था। अपने संबोधन में, खान ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों, एक महिला मजिस्ट्रेट, पाकिस्तान के चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपने सहयोगी शाहबाज गिल के साथ किए गए व्यवहार को लेकर मामला दर्ज कराने की धमकी दी थी। f

ब्रह्मोस मिसाइल दुर्घटना पर भारत की कार्रवाई को पाकिस्तान ने बताया अपर्याप्त

इस्लामाबाद।पाकिस्तान ने नौ मार्च को दुर्घटनावश मिसाइल के दागे जाने और उसके पाकिस्तानी क्षेत्र में गिरने की घटना पर भारत की कार्रवाई को पूरी तरह से असंतोषजनक, अधूरी तथा अपर्याप्त बताते हुए खारिज कर दिया और इस मामले में संयुक्त जांच की मांग की। भारत के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) ने इस घटना की जांच में पाया कि तीन अधिकारियों ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन नहीं किया जिसके चलते दुर्घटनावश मिसाइल प्रक्षेपित हुई और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गिरी। इसे लेकर पाकिस्तान ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि देश ने उसके क्षेत्र में सुपरसोनिक मिसाइल दागे जाने की घटना के संबंध में सीओआई के निष्कर्षों के संबंध में भारत की घोषणा और इस गैर जिम्मेदाराना घटना के लिए कथित रूप से जिम्मेदार पाए गए वायुसेना के तीन अधिकारियों की सेवाएं समाप्त करने के निर्णय के बारे में पढ़ा है। उसने कहा, पाकिस्तान इस अत्यधिक गैर-जिम्मेदाराना मामले को भारत द्वारा कथित रूप से बंद किए जाने को सिरे से खारिज करता है।

जयशंकर ने ब्राजील के विदेश मंत्री के साथ संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां ब्राजील के अपने समकक्ष कार्लोस फ्रेंका से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर व्यापक बातचीत की और कहा कि भारत और ब्राजील ने द्विपक्षीय संबंधों में स्पष्ट रूप से प्रगति की है। तीन लातिन अमेरिकी देशों की अपनी पहली यात्रा के दूसरे चरण में ब्रासीलिया पहुंचे जयशंकर ने फ्रेंका के साथ आठवीं भारत-ब्राजील संयुक्त आयोग बैठक की सह-अध्यक्षता के बाद प्रसारण और कराधान के क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने बुधवार को ट्वीट किया, व्यापार और निवेश, पेट्रोलियम, जैवईंधन, खाद्य तेलों और खनिज, स्वास्थ्य, फार्मा, परंपरागत चिकित्सा, कृषि और पशुधन, अंतरिक्ष, रक्षा, आतंकवाद निरोधक कार्वाई आदि विषयों पर व्यापक वार्ता हुई। जयशंकर ने यह भी ट्वीट किया, प्रसारण और कराधान के क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। ब्रिक्स, आईबीएसए, संयुक्त राष्ट्र, जी20 और यूक्रेन संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक स्मारक टिकट जारी करने के लिए ब्राजील सरकार की सराहना की। जयशंकर ने कहा, मुझे यह जानकर वास्तव में प्रसन्नता हुई कि पिछले कुछ साल में हमारे द्विपक्षीय सहयोग में साफ तौर पर प्रगति हुई है। हमारे व्यापार में यह दिखाई देता है जो अब तक के सर्वोच्च स्तर पर होने जा रहा है। हमने 12 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार कर लिया है। उन्होंने ब्राजील के अर्थव्यवस्था मंत्री पाउलो गुएडीज से भी बातचीत की।

नौसैन्य सहयोग भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के सबसे अहम घटकों में से एक : राजदूत संधू

वाशिंगटन।अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच सहयोग दोनों देशों के द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के सबसे बहुआयामी एवं अहम घटकों में से एक हैं। आईएनएस सतपुड़ा के पिछले सप्ताह सैन डिएगो पहुंचने के मौके पर संधू ने यह बयान दिया। आईएनएस सतपुड़ा को भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। छह हजार टन वाला यह स्वदेशी बहु उद्देश्यीय मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट है जो हवा, सतह और पानी के नीचे दुश्मनों को तलाशने और नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह पहली बार है कि जब भारतीय नौसेना के किसी युद्धपोत को यूएस वेस्ट कोस्ट पर खड़ा किया गया है। यह भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दर्शाता है। संधू ने सैन डिएगो में पिछले सप्ताह कहा, नौसेनाओं के बीच आपसी सहयोग हमारी रक्षा साझेदारी के सबसे बहुआयामी और अहम घटकों में से एक है। यह हिंद-प्रशांत के संदर्भ में और मजबूत हो रहा है।

आबे की हत्या को लेकर जापान के पुलिस प्रमुख इस्तीफा देंगे

तोक्यो। जापान के राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पिछले महीने चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शिंज़ो आबे की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना की जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा देंगे। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने, आबे की जिंदगी बचाने में नाकामी पर एक रिपोर्ट जारी की है। इसके बाद एजेंसी के प्रमुख इतारू नकामुरा ने इस्तीफे की घोषणा की है। आठ जुलाई को पश्चिमी जापान के नारा में आबे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस की रिपोर्ट में आबे की पुलिस सुरक्षा में खामियां पाई गई हैं जिस वजह से कथित हमलावर ने उन्हें पीछे से गोली मार दी। नकामुरा ने यह नहीं बताया कि वह कब इस्तीफा देंगे। कथित बदूंकधारी तेतसुया यमगामी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया था और फिलहाल उसकी मानसिक जांच की जा रही है जो नवंबर के अंत तक चलेगी। उसने पुलिस को बताया कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री को उनके यूनिफिकेशन चर्च के साथ संबंधों की वजह से निशाना बनाया था, क्योंकि वह चर्च से नफरत करता है। आबे के परिवार ने बृहस्पतिवार को उनकी हत्या के 49वें दिन उन्हें बौद्ध परंपराओं से निजी कार्यक्रम में श्रद्धांजलि दी।

भारत का यूक्रेन में हिंसा रोकने का आह्वान

यूक्रेन में अशांति की स्थिति और हिंसा को तत्काल रोकने का आह्वान करते हुए भारत ने दोहराया कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने तथा संघर्ष से, खासकर विकासशील देशों में पैदा होने वाली आर्थिक चुनौतियों को कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति की वकालत करता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बुधवार को यूक्रेन में संघर्ष की शुरुआत के छह महीने बाद सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अंदर और बाहर रचनात्मक रूप से काम करना सामूहिक हित में है, ताकि जल्द से जल्द युद्ध का समाधान निकाला जा सके। उन्होंने कहा, हम फिर से कहना चाहेंगे कि वैश्विक व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और क्षेत्रीय अखंडता और राज्यों की संप्रभुता के सम्मान पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा, भारत अशांति की स्थिति और हिंसा को रोकने की वकालत करता रहा है। हम यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक से अधिक बार उनसे इस संबंध में बात की है। कंबोज ने कहा कि भारत, यूक्रेन संघर्ष से उत्पन्न होने वाली आर्थिक कठिनाइयों को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और भागीदार देशों के साथ काम करेगा। उन्होंने कहा कि युद्ध का प्रभाव केवल यूरोप तक ही सीमित नहीं है और इसने खासकर विकासशील देशों में खाद्य, उर्वरक और ईंधन सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, भारत यूक्रेन की स्थिति पर बेहद चिंतित है। संघर्ष के परिणामस्वरूप उसके लोगों के लिए, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए जीवन की हानि और अनगिनत दुख हुए हैं, लाखों लोग बेघर हो गए हैं और पड़ोसी देशों में शरण लेने के लिए मजबूर हो गए हैं। यूक्रेन ने रूस के साथ जारी युद्ध के बीच बुधवार को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया और यह यूक्रेन पर रूसी हमला शुरू होने के छह महीने पूरे होने का भी दिन है। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने इस हमले के बाद रूस पर बड़े आर्थिक और अन्य प्रतिबंध लगाए हैं। भारत ने यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की आलोचना नहीं की है। भारत कई बार रूस और यूक्रेन से कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने का आह्वान कर चुका है और दोनों देशों के बीच संघर्ष को समाप्त करने के सभी राजनयिक प्रयासों के लिए अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। यूक्रेन में तत्काल मानवीय राहत को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए, कंबोज ने कहा कि मानवीय कार्वाई को हमेशा मानवीय सहायता, यानी मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए और इन उपायों का कभी भी राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

पुतिन ने 2023 में रूसी सेना में भर्ती बढ़ाने का आदेश दिया

मॉस्को।यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्वाई के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने देश की सेना को सशस्त्र बलो में।,37,000 लोगो की भर्ती करने के आदेश दिए है। बृहस्पतिवार को हस्ताक्षरित पुतिन के आदेश मे यह स्पष्ट नही है कि वया सेना बड़ी संख्या मे सैनिको की अनिवार्य भर्ती करेगी या स्वैच्छिक सेवा देने वाले सैनिको की संख्या बढ़ाई जाएगी अथवा दोनो के संयोजन से सैन्य बलो को मजबूत किया जाएगा। क्रेमलिन ने कहा है कि यूक्रेन मे विशेष सैन्य अभियान मे केवल स्वैच्छिक अनुबंधित सैनिक भाग ले रहे है। उसने इस दावे को खारिज किया कि वह व्यापक तौर पर सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है।

भारत-अमेरिका के सैन्याभ्यास पर चीन को आपत्ति

●तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप पर विरोध जताया

चीन के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भारत के साथ सीमा के मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का पूरी तरह विरोध करता है और उम्मीद करता है कि भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास सैन्य अभ्यास नहीं करने के द्विपक्षीय समझौतों का पालन करेगा। चीन पर पूर्वी लद्दाख में इन्हीं समझौतों के उल्लंघन का आरोप लगता रहा है जिसके कारण गतिरोध की स्थिति है। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल तान केफेई ने हिमालय की दक्षिणी तलहटी में हाल में अमेरिका और भारत के विशेष बलों के संयुक्त अभ्यास करने और युद्धाभ्यास कूट नाम वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास की उनकी योजना की खबरों के संबंध में पूछे गए सवाल पर यह टिप्पणी की। तान ने यहां ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम चीन-भारत सीमा मुद्दे पर किसी भी तरह किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि चीन ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि संबंधित देशों के, विशेष रूप से सैन्य अभ्यासों और प्रशिक्षण गतिविधियों पर सैन्य सहयोग में किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने में मदद करनी चाहिए। तान ने कहा कि चीन-भारत का सीमा मुद्दा दोनों देशों के बीच का मसला है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने सभी स्तर पर प्रभावी संवाद कायम रखा है और द्विपक्षीय संवाद के माध्यम से हालात से सही से निपटने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने चीन के रक्षा मंत्रालय के हवाले से कहा कि चीन और भारत द्वारा 1993 तथा 1996 में किए गए संबंधित समझौतों की रोशनी में किसी भी पक्ष को एलएसी के पास के क्षेत्रों में दूसरे के खिलाफ सैन्य अभ्यास करने की अनुमति नहीं है।

बोइंग 787 विमानों को गगन नेविगेशन प्रणाली का अनुपालन करना होगा

विमान विनिर्माता बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर विमान को गगन नेविगेशन प्रणाली का अनुपालन करना होगा। सरकार ने इसके लिए बोइंग को दिसंबर, 2025 के अंत तक का समय दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसके लिए विमान के डिजाइन में बड़े बदलाव की जरूरत होगी। गगन (जीपीएस एडेड जियो ऑगमेंटेड नेविगेशन) को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। नागर विमानन मंत्रालय ने 18 अगस्त को एक अधिसूचना जारी कर कहा कि बोइंग 787 विमानों को 31 दिसंबर, 2025 तक गगन अनुपालन से छूट दी गई है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एएआई और डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) के साथ सलाह के बाद बोइंग 787 विमानों के लिए अनुपालन आवश्यकता की समयसीमा को बढ़ाया गया है। अधिकारी ने बृहस्पतिवार को को पीटीआई-भाषा को बताया, बोइंग ने बताया है कि 787 को गगन उपकरण के अनुरूप बनाने के लिए डिजाइन में बड़े परिवर्तन किए जाने हैं और इसके लिए उसने 2025 की चौथी तिमाही की समयसीमा बताई। इसके अनुरूप बोइंग 787 को छूट दी गई है। अधिकारी ने यह भी कहा कि केवल बोइंग 787 विमानों को गगन अनुपालन की समयसीमा में छूट दी गई है और अन्य सभी विमानों को अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। इस समय एयर इंडिया और विस्तार बोइंग 787 विमानों का संचालन करती हैं। एयर इंडिया के पास ऐसे करीब 27 विमान हैं, जबकि विस्तार के पास दो विमान हैं।

'धड़क' की रिलीज के दौरान ओवर कॉन्फिडेंट थीं जान्हवी कपूर

बॉलीवुडएक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी फिल्मों के शुरुआती दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई' करने के प्रेशर के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'गुड लक जेरी' के साथ ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि वो ओटीटी पर रिलीज हुई है। जान्हवी से जब ये पूछा गया कि वो फिल्म की रिलीज के पहले दिन कैसा महसूस करती हैं, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'जब फिल्म ओटीटी पर रिलीज होती है तो ये एक अलग तरह का अहसास होता है, क्योंकि जब आप रिलीज से पहले एक मीडिया प्रिव्यू करते हैं, तो उनके रिएक्शन से आपको पता चल जाता है कि ऑडियंस आपकी फिल्मों पर कैसा रिएक्शन देने वाले हैं। वहीं ओटीटी रिलीज पर नंबर का प्रेशर इतना ज्यादा नहीं होता है। इसलिए एक बार जब आपको उनका रिएक्शन मिलता है, तो आप थोड़ा कंफर्टेबल हो जाते हैं। इस फिल्म के प्रिव्यू के दौरान ही मैंने सुना था कि लोग मेरे और फिल्म के लिए पॉजिटिव रिव्यू दे रहे हैं। इसलिए मुझे उस रात अच्छी नींद आई थी। मुझे ये टेंनश नहीं थी कि ये 5 करोड़, 3 करोड़ या 2 करोड़ कमाएगी।'

संजय लीला भंसाली से मुलाकात पर नागा ने जताई खुशी

साउथएक्टर नागा चैतन्य को कुछ दिन पहले संजय लीला भंसाली के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया था। इसके बाद से ही फैंस संजय के साथ नागा की अगली फिल्म के कयास लगाने लगे थे। लेकिन अब नागा ने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में इस मुलाकात की वजह बताई है। साथ ही उन्होंने इस सवाल का भी जवाब दिया कि कि क्या वो आने वाले समय में शाहरुख खान और सलमान खान के साथ काम करेंगे। नागा ने संजय लीला भंसाली के बारे में बात करते हुए कहा, 'मुझे उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। यह सिर्फ एक कैजुअल मीटिंग थी। ये लोग वो फिल्ममेकर्स हैं, जिनके साथ मैं हमेशा से काम करना चाहता हूं। इसलिए मैं उनकी रिस्पेक्ट करने के लिए वहां उनसे मिलने गया था। मुझे उम्मीद है कि कुछ काम करेगा। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके साथ मैं यहां काम करना चाहता हूं।'

कंगना रनौट की 'इमरजेंसी' से सामने आया मिलिंद सोमन का फर्स्ट लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आनेवाली हैं। वहीं फिल्म से अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े और महिमा चौधरी का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। फिल्म में अनुपम खेर जयप्रकाश नायरायण, श्रेयस तलपड़े अटल बिहारी वाजपेयी और महिमा चौधरी पुपुल जयकर की भूमिका में नजर अएंगी। वहीं अब इस फिल्म में एक और एक्टर की एंट्री हो गई है। फिल्म से मिलिंद सोमन का फर्स्ट लुक सामने आया है। फिल्म 'इमरजेंसी' में मिलिंद सोमन फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका में नजर आने वाले हैं। कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से मिलिंद का फर्स्ट लुक शेयर किया है। फिल्म के पोस्टर में वह दमदार अंदाज में दिख रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, 'मैं आपके सामने मिलिंद सोमन को सैम मानेकशॉ के किरदार में पेश करती हूं। भारत-पाक युद्ध के दौरान भारत की सीमाओं को बचाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सैम, जिनकी सेवा उनकी ईमानदारी के रूप में प्रतिष्ठित थी। आपातकाल में आकर्षक युद्ध नायक और एक दूरदर्शी नेता।' फिल्म 'इमरजेंसी' की बात करें तो इसमें इंदिरा गांधी के शासन के दौरान 'आपातकाल' को लेकर लिए गए फैसले को दिखाया जाएगा। इस फिल्म को कंगना प्रोड्यूस और निर्देशित भी कर रही हैं। यह फिल्म 25 जून 2023 को रिलीज होगी।

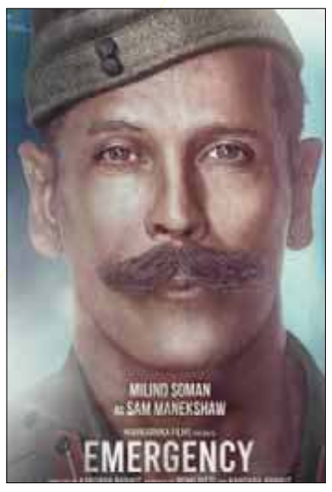

हर रात इस बात को लेकर शाहिद कपूर और मीरा राजपूत में होती है लड़ाई

बॉलीवुडएक्टर शाहिद कपूर और उनकी पत्नी मीरा राजपूत बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर अपने प्यार का इजहार सोशल मीडिया के जरिए करते रहते हैं। इस कपल के दो प्यारे बच्चे बेटी मीशा और बेटा जैन भी है। हाल ही में शाहिद कपूर करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण 7' में पहुंचे जहां उन्होंने अप?नी पत्नी मीरा को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की। इस दौरान शाहिद ने बताया? कि वह और उनकी पत्नी हर दिन बेडरूम में लड़ते हैं। शाहिद ने इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया। रैपिड फायर राउंड में शाहिद से पूछा गया कि ऐसी कौन सी चीज है, जिस पर वह और मीरा लड़ते हैं। इस पर उन्होंने खुलासा किया कि वह और उनकी पत्नी हर रात अपने बेडरूम में पंखे की स्पीड को लेकर लड़ते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनके मूर्खतापूर्ण झगड़े के बाद भी मीरा की वजह से ही उन्हें जीवन अच्छा लगता है। शाहिद कहा, 'हर रात पंखे की स्पीड... मीरा मेरे जीवन में बहुत कुछ लाती हैं। वह मुझे संतुलित करती हैं, वह मुझे सामान्य महसूस कराती हैं, हमारे दो सुंदर बच्चे हैं और उनकी वजह से जीवन अच्छा लगता है। बता दें ?कि शाहिद कपूर ने दिल्ली की रहने वाली मीरा राजपूत से 7 जुलाई 2015 में शादी की थी। ये एक अरेंज मैरिज थी। हाल ही में दोनों ने अपनी शादी की 7वीं सालगिरह सेलिब्रेट की है।

राखी सावंत के बॉयफ्रेंड को मिली धमकी

एक्ट्रेस राखी सावंत सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड आदिल खान दुर्रानी को जान से मारने की धमकी मिली है जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में राखी ने धमकी देने वालों के खुलेआम चुनौती दी है। राखी ने कहा – 'ये धमकी देना बंद करो, पहले मुझे खत्म करो'। राखी ने आगे कहा 'हम प्यार करते हैं एक दूसरे से, हमने किसी का क्या बिगाड़ा है, हमको क्यों धमकी दे रहे हैं। आदिल मेरी जान है, मैं उसके बिना जिंदा नहीं रह सकती। बता दें, आदिल और राखी एक दूसरे को डेट कर रहे हैं।

रियल हीरो बने स्लमडॉग मिलेनियर एक्टर देव

भारतीयमूल के अभिनेता देव पटेल ने अजनबी की जान बचाने के लिए अपनी जिंदगी खतरे में डाल दी। स्लम डॉग मिलेनियर फिल्म से मशहूर हुए देव चाकूबाजी की घटना को रोकने के लिए बीच में कूद पड़े। घायल व्यक्ति की हिफाजत के लिए वे पुलिस के आने तक वहीं डटे रहे। देव ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड के रहने वाले हैं और ये घटना भी वहीं की है। मंगलवार को देव एडिलेड के एक जनरल स्टोर में अपने दोस्तों के साथ गए थे। स्टोर के पास ही एक कपल लड़ाई कर रहा था। लड़ाई करते-करते ये कपल स्टोर के काफी करीब आ गया। इस दौरान महिला ने पुरुष के सीने में चाकू मार दिया। ये मामला और बढ़ता इससे पहले ही देव और उनके दोस्त इस चाकूबाजी के बीच आ गए। घायल व्यक्ति की तब तक हिफाजत की, जब तक पुलिस और एंबुलेंस वहां नहीं आ गई। देव के प्रवक्ता ने कहा कि एक्टर ने अपनी नेचुरल इंस्टिंक्ट के मुताबिक ही व्यवहार किया।

चर्चा का विषय बनीं ईशा गुप्ता की नई तस्वीरें

अदाओं ने बांधा समा, बोल्डनेस देखकर उड़ गए लोगों के होश

बॉलीवुड की हॉट हसीना ईशा गुप्ता अपने फैंस के दिलों को धड़कानें का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। वह अक्सर अपनी दिलकश तस्वीरें शेयर कर उनको खुश कर देती हैं। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री ने बुधवार को किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। उनकी इन तस्वीरों ने फैंस के पसीनें छुड़ाने के साथ इंटरनेट का पारा भी हाई कर दिया है। यकीन मानिये ईशा की ये तस्वीरें इतनी बोल्ड हैं कि देखकर आपके भी होश उड़ जायेंगे। अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दो पोस्ट के जरिये अपनी चार तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में वह स्ट्रिप वाला डिज़ाइनर बॉडी-हगिंग गाउन पहनें नजर आ रही हैं, जिसे रोहित गांधी और राहुल खन्ना ने डिज़ाइन किया है। इस डिज़ाइनर बॉडी-हगिंग गाउन में अभिनेत्री हद से ज्यादा हॉट लग रही हैं। सेक्सी ऑउटफिट में हॉट अवतार के साथ ईशा की सिज़लिंग अदाओं का कॉम्बिनेशन लोगों के होश उड़ाने के लिए काफी है। अभिनेत्री की चारों ही तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, लेकिन इनमें से एक तस्वीर ने लोगों का ध्यान अपनी ओर ज्यादा आकर्षित किया है। इस तस्वीर में ईशा ने अपने गाउन की डीप नेकलाइन का क्लोज़अप शेयर किया है, जिसे देखकर सोशल मीडिया यूजर के पसीने छूट गए हैं। ईशा की ये तस्वीरें लोगों को इतनी पसंद आ रही हैं कि वह खुद को कमेंट करने से रोक नहीं पा रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूज़र ने कमेंट किया, 'रंग सुनेहरी-झुल्फे लाल.... हुसन्न सब्बाब की क्या बात....!!!' एक अन्य ने कमेंट किया, 'क्या दिखाना चाह रही हो卐। एक अन्य ने लिखा, 'यार तू इतनी हॉट क्यों होती जा रही है'।

शून्य ऊर्जा भवन

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

शून्य ऊर्जा भवन ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को केवल उतनी ही ऊर्जा का उपभोग करने के लिए जोड़ते हैं जितना कि एक निर्दिष्ट समय अवधि में नवीकरणीय संसाधनों के माध्यम से ऑनसाइट उत्पादित किया जा सकता है। शून्य ऊर्जा प्राप्त करना एक महत्वाकांक्षी लेकिन तेजी से प्राप्त करने योग्य लक्ष्य है जो भौगोलिक क्षेत्रों और बाजारों में गति प्राप्त कर रहा है। निजी वाणिज्यिक संपत्ति के मालिकों की अपने कॉर्पोरेट लक्ष्यों को पूरा करने के लिए शून्य ऊर्जा भवनों को विकसित करने में रुचि बढ़ रही है, और नियामक जनादेश के जवाब में, संघीय सरकारी एजेंसियां और कई राज्य और स्थानीय सरकारें शून्य ऊर्जा निर्माण लक्ष्यों की ओर बढ़ने लगी हैं।

साइट एनर्जी से तात्पर्य किसी साइट (जैसे भवन) पर खपत और उत्पन्न ऊर्जा से है, भले ही वह ऊर्जा कहां या कैसे उत्पन्न हुई हो। एक शुद्ध शून्य

साइट ऊर्जा भवन में, ऊर्जा की प्रत्येक इकाई के लिए भवन एक वर्ष से अधिक की खपत करता है, इसे ऊर्जा की एक इकाई उत्पन्न करनी चाहिए।

शुद्ध शून्य ऊर्जा लागत शायद उपयोग करने के लिए सबसे सरल मीट्रिक है: इसका मतलब है कि भवन में एक वर्ष के दौरान $0 का ऊर्जा उपयोगिता बिल है। कुछ मामलों में, भवन मालिक या संचालक ऑन-साइट नवीकरणीय उत्पादन से अक्षय ऊर्जा क्रेडिट (आरईसी) बेचने का लाभ उठा सकते हैं।

कई पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के परिणामस्वरूप कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड आदि का उत्सर्जन होता है। एक शुद्ध शून्य ऊर्जा उत्सर्जन भवन या तो कोई ऊर्जा का उपयोग नहीं करता है जिसके परिणामस्वरूप उत्सर्जन होता है या उत्सर्जन मुक्त ऊर्जा (आमतौर पर साइट पर नवीकरणीय ऊर्जा से) का निर्यात करके उत्सर्जन को ऑफसेट करता है। ऊर्जा प्रणाली)।

धीरे-धीरे शून्य ऊर्जा की अवधारणा गति पकड़ रही है

ब्रह्मकुमारी संस्था आयोजित 5 दिन की राष्ट्रीय मीडिया परिषद में भारत के 2000 से अधिक पत्रकार उपस्थित रहेंगे

दिलीप पटेल, मुंबई: भारत की स्वतंत्रता के ७५ वे अमृत महोत्सव मनाने के उपलक्ष्य में समृध्द भारत की दिशा में मीडिया की भूमिका संबंधित विषय पर राष्ट्रिय मीडिया परिषद का आयोजन २९ अगस्त से २ सितंबर तक राजस्थान के आबूरोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मुख्यालय शांतिवन कैम्पस में किया जा रहा हैं। भारत के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, फिल्म, सोशियल मीडिया के 2000 से ज्यादा पत्रकार इस विशाल परिषद में हिस्सा लेंगे। नेपाल से भी पत्रकार आ रहे हैं। पांच दिवसीय परिषद में राजयोग का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और आनंद की प्राप्ति में मीडिया की भूमिका, सामाजिक जिम्मेदारी, सुवर्णमय भारत की पुनः स्थापना, शांति और एकता के लिए मीडिया की विशेष भूमिका की आवश्यकता, आंतरिक मानवीय शक्ति का विकास सहित विभिन्न विषय पर अग्रणी पत्रकार, महानुभाव तथा ब्रह्माकुमारी के प्रसिध्द वक्ता विशेष संबोधन करेंगे।इस अवसर पर अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमो का भी आयोजन किया जाएगा। स्वच्छ, शांतिमय, प्राकृतिक वातावरण में आयोजित इस पांच दिवसीय परिसंवाद में हकारात्मक पत्रकरिता द्वारा विश्व की हरेक समस्या के समाधान की दिशा में कैसे आगे बढ़े?आंतरिक शक्तिओ का विकास करने के विविध उपाय के बारे में चर्चा विचारणा होंगी।ब्रह्मकुमारी संस्था भारत के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियां सहित समाज के हरेक वर्ग के लिए संसार की समस्याओं के समाधान की दिशा में राजयोग के प्रशिक्षण के लिए प्रसिध्द है और निरंतर चल रही इनकी विभिन्न अध्यात्मिक प्रवृत्तिओ का समाज में

उत्तम परिणाम देखने मिल रहा हैं।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय (जिसे संक्षिप्त में ब्रह्मकुमारीज भी कहते हैं) एक अनोखा विश्व विद्यालय और एक चिरपरिचित नैतिक मूल्यों पर आधारित शैक्षणिक संस्था है । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का कार्य एक ऐसे विश्व की परिकल्पना से प्रेरित है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी पूरी संभावनाओं तक विकसित हो चुका हो और शांति सद्भाव से एक दूसरे से व्यवहार करते हों। सन १९३७ में इस संस्था की स्थापना हुई और अब इसके १४५ देशों से अधिक देशों में ४५०० से भी अधिक राजयोग सेवा केंद्र हैं । इसका अंतर्राष्ट्रीय हेडक्वार्टर माउंट आबू, राजस्थान स्थित पाण्डव भवन में है । ब्रह्मकुमारीज सभी स्तर पर शान्ति और सद्भावना बढ़ाने में कार्यरत है। इस संस्था को संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) के जन संपर्क के विभाग (DPI) में गैर - सरकारी संस्था (NGO) के रूप में स्थान प्राप्त है, साथ साथ संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) और UNICEF के साथ जनरल सलाहकार के रूप में मान्यता प्राप्त है । ब्रह्माकुमारीज़ को संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्राष्ट्रीय शांति परियोजना में उनके महत्वपूर्ण सहयोग के लिए ७ शान्ति दूत पुरस्कार प्राप्त हुआ।संस्था को अपने शिक्षाओं के आधार पर वैश्विक स्वीकृति एवं विशेष अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है । यह संस्था ईश्वर पितृत्व एवं मानव बंधुत्व में विश्वास करता है और सारे विश्व के मानव जाति के लिए खुला है, चाहे वह किसी भी जाति, पंथ, रंग, आयु, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनितिक पद पर हो । यह संस्था नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों द्वारा समाज उत्थान, विश्व शान्ति और विश्व बंधुत्व के लिए कार्यरत है।

राजभाषा के उपयोग करने हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा समन्वय सीमिति

पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में बोले महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे

संवावदाता। मुंबई पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की राजभाषा बैठक शुक्रवार को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रकाश बुटानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने पश्चिम रेलवे की ई- पत्रिका 'ई-राजहंस' के 48वें अंक का विमोचन भी किया। राजभाषा बैठक के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी डॉ. छत्र सिंह आनंद द्वारा समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे के सभी विभागों के प्रमुखों, मंडल रेल प्रबंधकों एवं अपर मंडल रेल प्रबंधकों, सभी मुख्य कारखाना प्रबंधकों और अन्य अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी का सरकारी कार्यालयों में प्रयोग बढ़ाना एक राष्ट्रीय कार्य है क्योंकि आम जनता इस भाषा को अच्छी तरह जानती है और समझती है। भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने में भी हिंदी की विशेष भूमिका है। आजकल आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। जब हमारा देश आजाद हुआ था उस समय संचार के साधन बहुत कम थे लेकिन उस समय अधिकतर स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने विचारों के आदान-प्रदान के लिए हिंदी भाषा को ही चुना था। उन्होंने सूचित किया कि प्रधान कार्यालय में राजभाषा का प्रचार प्रसार एवं प्रयोग बढ़ाने के लिए14 सितम्बर से 29 सितम्बर,2022 तक राजभाषा पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। पश्चिम रेलवे में अप्रैल से जून - 2022 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में हुई प्रगति संबंधी आंकड़े समिति के सदस्य सचिव डॉ. सुशील कुमार शर्मा द्वारा प्रस्तुत किए गए।राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रकाश बुटानी ने समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा, मानव के भावों तथा विचारों की अभिव्यक्ति का मात्र माध्यम ही नहीं है बल्कि यह समाज और देश को सुदृढ़ बनाने का साधन भी है। भाषा व्यक्ति के साथ-साथ राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए हिंदी के गुणों को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान में इसे राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। हिंदी में देशवासियों की संवेदनाओं को व्यक्त करने की पूर्ण क्षमता है। इसका शब्दकोश बहुत व्यापक है इसलिए इसमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषय भी समाहित हो सकते हैं।पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस बैठक में पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक नरेश लालवानी, प्रमुख वित्त सलाहकार उमा रानडे, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर हरीश गुप्ता, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त पी. सी. सिन्हा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक चितरंजन स्वैन, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर, सभी छह मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक और छह कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक उपस्थित थे। अंत में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी सुरेशचन्द्र के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक समाप्त हुई।

मनपा महापौर के उनके कार्यकाल के लिए पुलिस आयुक्त सदानंद दाते द्वारा सम्मान

संवावदाता । भाईदंर मीरा भायंदर महापौर ज्योत्स्ना हस्नाले के महापौर के कार्यकालमें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पुलिस आयुक्त सदानंद दाते ने गत 24 अगस्त को मीरारोड पुलिस आयुक्तालय में मनपा महापौर को शाल व गुलदस्ता देकर सम्मानित किया इसके साथ ही उनके भविष्य की राजनीतिक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त श्रीकांत पाठकएसीपी (HQ) विनायक नरले एसीपी कंट्रोल रूम कैलास चव्हाण एसीपी क्राइम अमोल मांडवे एवं संबंधित पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

नवनिर्मित मनपा फायर स्टेशन का उद्घाटन संपन्न

गणेशपाण्डेय। भाईदंर गत 24 अगस्त को मीरारोड (पूर्व) के पेन्करपाडा क्षेत्र में मीरा-भायंदर मनपा के माध्यम से नवविकसित फायर स्टेशन भवन का उद्घाटन मनपा महापौर ज्योत्स्ना हस्नाले एवं अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्थायी समिति के अध्यक्ष राकेश शाह, सदन के नेता प्रशांत दळवी, महिला एंव बाल कल्याण सीमित की अध्यक्षा मीरादेवी यादव,अनीता पाटिल, स्थानीय नगरसेवक मोहन म्हात्रे, वीना भोईर सुरेखा सोनार, परशुराम म्हात्रे, राजू भोईर,संबंधित अग्निशमन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी सहित मनपा के अन्य कर्मचारीगण इस अवसर पर उपस्थित थे।

डॉ. राजेन्द्र जी महाराजः जीवन का वास्तविक सार है परमात्मा की शरण में जाना

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी जी द्वारा डॉ. राजेन्द्र जी महाराज का सम्मान

प्रवीणा ठक्कर, मुंबई :
राजभवन में आध्यात्मिक गुरु डॉ. राजेन्द्र जी महाराज को महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम श्री भगतसिंह कोश्यारी जी ने संतो तथा हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री के विख्यात सभागण की उपस्थिति में अपने हस्त कमलो से भारत गौरव सम्मान दिया। गुरुदेव के सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान की प्रशंसा करते हुऐ महामहिम जी ने कहा," भारत वर्ष संतो और वीरों की भूमि है। आज का भारत एक प्रबल एवं शक्तिशाली देश है।

जब सारा विश्व कोरोना की महामारी से त्रस्त था तब भारतवर्ष ने अनेक देशोको राहत पहुंचाने का कार्य किया। आज परिस्थिति यह है की विपदा की घड़ी में हर देश भारत से सहायता और मार्गदर्शन की उम्मीद रखता है।" विश्वभर में भारत वर्ष आध्यात्मिक क्षेत्र में अपनी एक अनूठी शाख बनाए हुए हैं। गत चार दशकों से गुरुदेव डॉ. श्री राजेन्द्र जी महाराज ने मानव जाति के आध्यात्मिक उत्थान हेतु बेजोड़ योगदान दिया हैं। आपश्री ने कोरोना

काल में व शिक्षा के क्षेत्र में निःसहाय लोगों की निस्वार्थ भाव से सतत सेवा की है। अध्यात्म भारत मां की आत्मा है। पूरी निष्ठा एवम के विश्वास के साथ महाराज श्री के भक्त गण कहते हैं की समस्त राष्ट्र की आध्यात्मिक प्रगति में गुरुजी हमारे सच्चे पथ प्रदर्शको में से एक है। सभा को संबोधित करते हुए गुरुजी ने कहा," ज्ञान का आदान प्रदान जितना सहज प्रतीत होता है दर असल वह उतना सरल नहीं है। उदाहरण के तौर पर कुरुक्षेत्र की रणभूमि में जब महावीर श्री अर्जुन निराश एवं हताश हो गए तब उन्हे सही मार्ग प्रदर्शित करने में भगवान श्री कृष्ण को भी १८ अध्याय लगे। वर्षो की साधना तथा तप से संतों-गुरुजनों को जो भी ज्ञान अर्जित होता है, वह वे संक्षिप्त में ही अपने अनुयायीओ को प्रदान करने का प्रयास करते हैं। जैसे गुरुरूपी कृष्ण ने शिष्य रूपी अर्जुन से कहा, तुम मेरी शरण में आ जाओ।" अर्थात जीवन का वास्तविक सार है... परमात्मा की शरण में जाना। सम्मान समारोह के आरंभ में दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात राज्यपाल जी तथा गुरूजी के करकमलों से भारत के अग्निवीर फिल्म के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस फिल्म के निर्माता निर्देशक श्री पुरुषोत्तम जी शर्मा है।

मुख्यमंत्री ने आनंद दिघे को दी श्रद्धांजलि

ठाणे। शुक्रवार को धर्मवीर आनंद दिघे की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में आनंद आश्रम व दिवंगत दिघे की समाधि शक्ति स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही टेंभी नाका में दिवंगत दिघे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर शिंदे के साथ विधायक प्रताप सरनाईक, कलेक्टर राजेश नार्वेकर, महापालिका आयुक्त विपिन शर्मा, पूर्व विधायक रविंद्र फाटक, पूर्व महापौर नरेश म्हस्के आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ठाणे पहुंचने के बाद सबसे पहले आनंदाश्रम गए और दिवंगत दिघे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

देवदूत बने टिकट चेकिंग स्टाफ अपनो से मिलाकर लौटाई खुशियाँ

गणेश पाण्डेय। मुंबई
भारतीय रेलवे का टिकट चेकिंग स्टाफ उन फ्रंटलाइन स्टाफ में से एक है जो यात्रियों के सीधे संपर्क में रहते हैं। उन्हें मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि यात्री उचित टिकट के साथ यात्रा करें और रेलवे नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने का अधिकार भी दिया गया है । इसके अलावा उनसे मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा टिकट निरीक्षकों के रूप में और स्टेशनों और उपनगरीय ट्रेनों में गहन जांच दल के हिस्से के रूप में वास्तविक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने की भी उम्मीद की जाती है।मुंबई मंडल पर टिकट चेकिंग का कार्य अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि चेकिंग गतिविधि उपनगरीय ट्रेनों और स्टेशनों पर व्यस्त समय के दौरान आयोजित की जानी चाहिए और टिकट चेकिंग स्टाफ के कर्तव्यों के लिए उन्हें अनुशासित और सख्त होना पड़ता है। इसके बावजूद ऐसे कई उदाहरण हैं जहां टिकट चेकिंग स्टाफ ने एक मानवीय पक्ष प्रदर्शित किया है और कई घर से भागे हुए / खोए हुए बच्चों को उनके परिवारों के साथ पुनः मिलाने में मदद करने के लिए अपने कर्तव्यों से परे जाकर कार्य किया है।दिनांक 18 अगस्त को सुनील कुमार यादव,वरिष्ठ टिकट परीक्षक ने कल्याण स्टेशन पर दो बच्चों का पता लगाया,जो घर से भाग गए थे। बच्चों की काउंसलिंग कर उन्हें चाइल्ड केयर सेंटर कल्याण को सौंप दिया गया।अगस्त 11 को,प्रधान टिकट परीक्षक जितेंद्र मीना ने घाटकोपर में एक छोटे बच्चे का पता लगाया,जो खो गया था।उसकी देखभाल की गई और काउंसलिंग कर उसे सुरक्षित रूप से उसके भाई को सौंप दिया गया, जिसे बुलाया गया था।अगस्त 4.8.2022 को टिकट चेकिंग कर्मी

पी पी लाड और दीपक पाटिल को दादर स्टेशन पर हावड़ा-सीएसएमटी मेल में दो नाबालिग लड़कियों का पता चला, जो घर से

खोये और घर से भागे हुए बच्चों को बचाया और पुनः उन्हें उनके परिवारों से मिलाया

भाग गई थीं। उनकी काउंसलिंग कर उन्हें चाइल्ड केयर सेंटर को सौंप दिया गया। अगस्त-2022 के माह में खोये हुए /घर से भागे हुए बच्चों को फिर से उनके परिवार से मिलाने के कुल 8 मामले पकड़े गये तथा अप्रैल से अगस्त-2022 की अवधि के दौरान कुल 16 प्रकरण दर्ज किये गये। ये वे बच्चे हैं जो किसी लड़ाई या कुछ पारिवारिक वजह के कारण या बेहतर जीवन की तलाश में या शहर के ग्लैमर आदि के लालच में अपने परिवार को बिना बताए रेलवे स्टेशन पर आते हैं। इन बच्चों का पता चलने पर टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा धैर्यपूर्वक इनकी काउंसलिंग की जाती है तथा उनके परिवारों की जानकारी प्राप्त की जाती है जिससे उन्हें उनके माता-पिता या रिश्तेदारों आदि का पता लगाने में मदद मिलती है और उन्हें ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ की मदद से चाइल्ड केयर सेंटर को सौंप दिया जाता है।कई माता-पिता रेलवे की इस नेक सेवा के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार व्यक्त करते हैं। यदि भागे हुए/खोये हुए बच्चों का ऐसा कोई मामला मिलता है, तो यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया ऑन-ड्यूटी टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ, स्टेशन मास्टर को सूचित करें या हेल्पलाइन नंबर 1098 चाइल्ड केयर सेंटर से संपर्क करें और बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने में मदद करें।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।